@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 21 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 227 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी 7 की मौत, 25 घायल

• शनिवार को प्रसाद लेने के लिए भीड़ जुटी थी

एजेंसी

परभणी। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था।

दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े। हादसे का CCTV फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित

मंडप में मौजूद लोगों ने मलबा हटाया

रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। आपदा प्रबंधन अधिकारी, पथरी अग्निशमन विभाग, मानवत लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा दल, परभणी नगर निगम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान पूरा किया गया।

पूर्वी भारत अब प्रगति का प्रवेश द्वार

ओडिशा को मिले 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मोदी

राष्ट्रपति मुर्मु के गांव पहाड़पुर को 'सूर्य ग्राम' बनाने की घोषणा, 47,600 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

एजेंसी

रायरंगपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान पिछड़ेपन का प्रतीक बना पूर्वी भारत अब देश की प्रगति और विकास का प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भाजपा सरकार राज्य के संसाधनों को संभावनाओं में बदल रही है और 'उत्कर्ष ओडिशा' पहल के तहत राज्य को लगभग 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि ओडिशा आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक प्रगति और विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी ने मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में ओडिशा सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में 47,600 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरिबाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री केवी सिंहदेव और प्रभाती परिडा, मंत्री गणेशराम सिंहखुंटिया, डॉ. कृष्णचंद्र महापात्र, सांसद नव चरण माझी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल तथा सांसद बैजयंत पांडा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन की शुभकामनाएं देकर की। उन्होंने कहा कि मयूरभंज की बेटी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को सुशोभित कर रही हैं, जो पूरे ओडिशा और देश के लिए गौरव का विषय है। मोदी ने बताया कि उन्हें राष्ट्रपति के गांव पहाड़पुर जाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने का अवसर मिला। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा स्थापित विद्यालय का भी दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों ने राष्ट्रपति को अपने लिए 'मां' बताया, जो उनके प्रति लोगों के गहरे स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु के गांव पहाड़पुर को 'सूर्य ग्राम' के रूप में विकसित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत गांव को सौर ऊर्जा आधारित आत्मनिर्भर मॉडल गांव बनाया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

सेना में महिलाओं की बढ़ती भूमिका भारत के मूल्यों का प्रमाण: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

शिलांग। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बल देश की राष्ट्रीय एकता के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि सेना में विविधता को सम्मान दिया जाता है और अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग एक साथ मिलकर राष्ट्र सेवा का कार्य करते हैं। यही भावना देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाती है। शिलांग स्थित पूर्वी वायु कमान (ईस्टर्न एयर कमांड) मुख्यालय में सैनिकों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल ऐसा संस्थान है, जहां विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं और संस्कृतियों से आने वाले लोग एक साझा उद्देश्य के लिए कार्य करते हैं। इससे आपसी सम्मान, विश्वास और राष्ट्रीय भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा, %रक्षा बल राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं। यह ऐसी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां विभिन्न विचारों को सम्मान मिलता है, मूल्यों को संजोकर रखा जाता है और आपसी सम्मान स्वाभाविक रूप से विकसित होता है%। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल समावेशिता, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उनकी कार्यशैली देशवासियों में विश्वास पैदा करती है और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह, पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल इंदरपाल सिंह वालिया तथा भारतीय वायुसेना के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री रविवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भी शिलांग में पूर्वी वायु कमान मुख्यालय में सैनिकों के साथ योग कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

मनोहर लाल ने उज्जैन में किया सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री बोले-प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य-दिव्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही सरकार

एजेंसी

उज्जैन। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को उज्जैन में सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 778 करोड़ रुपये राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव अनुरूप हो। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने नवनिर्मित त्रिवेणी घाट के निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवीन घाट निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29.15 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य 778 करोड़ रुपये राशि से किया जा रहा है। नवीन घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 150 से अधिक स्थान चिन्हित किए गए हैं। नवीन घाट निर्माण कार्य अंतर्गत 18.20 किमी लंबी रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा चुका है, साथ ही 7 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 22 किमी में घाट निर्माण कार्य तेजी से प्रगतिरत है।

पहले देश में एक गोली नहीं बनती थी, आज मिसाइलें बना रहा भारत: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नीत यूपीए सरकार के कार्यकाल में हुए आतंकी हमले का जिक्र कर पूर्ववर्ती सरकार को आड़े हाथों लिया। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान शाह ने कहा कि आज से 12 साल पहले देश में एक ऐसी सरकार थी, जो आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठा पाती थी। उस समय देश में जगह-जगह बम धमाके और आतंकी हमले होते थे, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पूरी तरह चुप रहते थे और कोई कड़ा फैसला नहीं लेते थे। केंद्रीय गृह मंत्री कहा कि जब साल 2014 में नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने और भाजपा की सरकार आई, तो भारत की नीति पूरी तरह बदल गई। मोदी सरकार के दौरान भी आतंकियों ने उरी, पुलवामा और पहलगाम में बड़े हमले करने की कोशिश की, लेकिन इस बार भारत चुप नहीं बैठा। भारत ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर- पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखाया। अमित शाह ने यह भी दावा किया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना को पहले से कहीं यादा मजबूत और आधुनिक बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पहले एक समय था जब भारत अपनी जरूरत की एक गोली तक खुद नहीं बना पाता था और हमें दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन आज भारत खुद मिसाइलें बना रहा है और रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनकर दुनिया के सामने मजबूती से खड़ा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने देश की आंतरिक सुरक्षा पर सरकार के रिपोर्ट कार्ड को जनता के सामने रखा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में कश्मीर में आतंकवाद पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है।

केंद्र सरकार पर लट्टू हुई टीएमसी सांसद महुआ, करने लगीं तारीफ

–सवाल : क्या टीएमसी छोड़ भाजपा में जाएंगी सांसद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी आंतरिक घमासान और बगावती सुरों के बीच, पार्टी की तेजतर्रार नेता और सांसद महुआ मोइत्रा के एक ट्वीट ने पश्चिम बंगाल के राजनीतिक गलियारों में अचानक हलचल मचा दी है। यह हलचल इसलिए और बढ़ गई है क्योंकि उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लिखे गए एक पत्र की तस्वीर साझा करते हुए केंद्र सरकार की अप्रत्याशित रूप से सराहना की है। मोइत्रा के इस कदम के बाद कयासों का बाजार गर्म है कि क्या वे भी टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ छोड़कर टीएमसी के बागी नेताओं की सूची में शामिल हो सकती हैं, विशेषकर तब जब हाल के दिनों में उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा और उसके नीतियों की जमकर आलोचना की थी।

बता दें कि टीएमसी के 29 में से 20 लोकसभा सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़ चुके हैं, जिनमें युसूफ पठान जैसे नाम भी शामिल हैं। इतने बड़े पैमाने पर दलबदल ने पार्टी को कमजोर किया है, और अभिषेक बनर्जी ने स्पीकर ओम बिरला से मिलकर इन सदस्यों की सदस्यता रद्द करने की मांग भी की थी। ऐसे नाजुक मोड़ पर महुआ मोइत्रा का यह ट्वीट, टीएमसी के लिए एक और चुनौती बनकर उभरा है, जिससे पार्टी में चल रही टूट की आशंका और गहरी हो गई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि महुआ मोइत्रा का यह कदम उनके राजनीतिक भविष्य और टीएमसी की आंतरिक गतिशीलता पर क्या प्रभाव डालता है।

महुआ के इस बयान को पश्चिम बंगाल में टीएमसी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह से सीधे तौर पर जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर असंतोष की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं और कई प्रमुख नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। यह विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है जब ममता बनर्जी स्वयं केंद्र सरकार पर लगातार संघीय ढांचे का उल्लंघन करने, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने और पश्चिम बंगाल के प्रति सौतेला व्यवहार अपनाने का आरोप लगाती रही हैं। ऐसे में महुआ मोइत्रा का केंद्र की सराहना करना राजनीतिक पंडितों को यह सोचने पर मजबूर कर रहा है कि क्या वे भी बगावती रुख अख्तियार करने वाले नेताओं की कतार में शामिल हो रही हैं?

महुआ मोइत्रा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा लिखे गए एक आधिकारिक पत्र की तस्वीर साझा की। इस पत्र में रक्षा मंत्री ने मोइत्रा द्वारा उठाए गए एक महत्वपूर्ण मुद्दे की सराहना की थी। मोइत्रा ने अपने ट्वीट में लिखा, राजनाथ सिंह जी, सशस्त्र बलों की विकलांगता पेंशन पर इनकम टैक्स छूट जारी रखने के प्रति आपकी सहानुभूति के लिए आपका धन्यवाद। उम्मीद है कि वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी वैसी ही सहानुभूति दिखाएंगे और इस आपत्तिजनक प्रस्ताव को कभी आगे नहीं बढ़ाएंगे। जय हिंद। मोइत्रा का यह ट्वीट, जहां एक ओर रक्षा बलों के हित में उनकी चिंता को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर इसका राजनीतिक महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि यह उस समय आया है जब टीएमसी और केंद्र सरकार के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं।

राजनाथ सिंह ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि मोइत्रा ने लोकसभा में नियम 377 के तहत उस मामले को उठाया था, जिसमें सेवा के दौरान घायल हुए लेकिन रिटायरमेंट तक ड्यूटी जारी रखने वाले सशस्त्र बलों के कर्मियों की विकलांगता पेंशन पर इनकम टैक्स छूट हटाने के फैसले की समीक्षा करने की बात कही गई थी। रक्षा मंत्री ने अपने पत्र में यह भी बताया कि इस मामले की गंभीरता से जांच की गई है और जानकारी मिली है कि रक्षा बलों के कर्मियों को दी जाने वाली विकलांगता पेंशन पर इनकम टैक्स छूट का मामला वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। हालांकि, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वित्त अधिनियम 2026 के नोट 12 में कहा गया है कि अधिसूचित संशोधन उस तारीख से या उसके बाद लागू होंगे, जिसे केंद्र सरकार इस संबंध में अधिसूचित करेगी। ऐसी अधिसूचना जारी होने तक भारतीय सशस्त्र बलों के विकलांग अधिकारियों की पूरी विकलांगता पेंशन यानी विकलांगता वाला हिस्सा और सेवा वाला हिस्सा इनकम टैक्स से मुक्त रहेगी।

पिछले साल निकाली थी रैली, अब ममता-अभिषेक को थमाया नोटिस

कोलकाता(एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी और महासचिव अभिषेक बनर्जी को अवमानना मामले में नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। यह मामला पिछले साल 21 जुलाई को आयोजित शहीद दिवस रैली के दौरान सड़कों को अवरुद्ध करने संबंधी अदालत के निर्देशों के कथित उल्लंघन से जुड़ा है। याचिकाकर्ता के वकील श्रीकांत दत्ता ने न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रे की खंडपीठ के समक्ष यह मामला रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत के साल 2018 के उस आदेश की अवमानना की गई, जिसमें आयोजनों के दौरान मुख्य सड़कों को पूरी तरह से अवरुद्ध न करने का निर्देश दिया गया था। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ज्योतिर्मय भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी की खंडपीठ ने तब स्पष्ट निर्देश दिए थे कि ऐसी सड़कों पर पैदल चलने वालों और आपातकालीन वाहनों की आवाजाही के लिए रास्ता हमेशा खुला रखा जाना चाहिए।

शुक्रवार को अपनी अवमानना याचिका दायर करते हुए दत्ता ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस की ओर से पिछले साल 21 जुलाई को आयोजित शहीद दिवस रैली के दौरान उच्च न्यायालय के इस स्पष्ट आदेश का उल्लंघन किया गया, जिससे कोलकाता के एस्प्लेनेड इलाके में मुख्य सड़कें पूरी तरह से जाम हो गईं और सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। खंडपीठ ने इस दावे पर संज्ञान लेते हुए ममता और अभिषेक को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। अदालत ने यह भी बताया कि इस मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को निर्धारित की गई है। तृणमूल कांग्रेस हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाती है। यह दिवस 1993 की उस घटना की याद में मनाया जाता है, जब तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के दौरान एस्प्लेनेड में ममता बनर्जी के नेतृत्व में आयोजित एक युवा कांग्रेस रैली पर पुलिस गोलीबारी में 13 कार्यकर्ता मारे गए थे। ममता ने 1990 के दशक के अंत में कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था और तब से यह रैली उनकी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन रही है।

जादू-टोना के शक में डॉक्टर ने की मेड की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के एक पॉश इलाके में एक डॉक्टर ने अपनी घरेलू सहायिका की निर्मम हत्या कर दी। आरोप है कि डॉक्टर को अपनी मेड पर जादू-टोना करने का शक था, जिससे उनके बेटे की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पहले बैट से हमला कर बाद में धारदार हथियार से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस पूछताछ में डॉक्टर ने बताया कि उसे लगता था कि मेड मीना घर में नकारात्मक ऊर्जा ला रही थी, जिससे बेटे की पढ़ाई में बाधा आ रही थी। इसी बात से आहत होकर उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। डॉक्टर ने यह भी बताया कि उसने कुछ समय पहले घर वालों से मीना को नौकरी से हटाने के लिए भी कहा था, लेकिन उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया था। हालांकि, पुलिस जांच में एक नया पहलू सामने आया है। आरोपी की पत्नी और बेटे ने बताया है कि डॉक्टर गुप्ता मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे और एंटी-डिप्रेशन की दवाएं ले रहे थे। परिवार के सदस्यों के अनुसार, वह मानसिक रूप से ठीक नहीं थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि डॉक्टर ने हत्या के पीछे अभी तक कोई ठोस वजह नहीं बताई है और वे मानसिक स्वास्थ्य के पहलू पर भी गहराई से जांच कर रहे हैं। वारदात के बाद आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

डांस कार्यक्रम के बहाने बुलाया, 13 लोगों ने किया सामूहिक दुष्कर्म

पटना (एजेंसी)। बिहार के दानापुर अनुमंडल के नौबतपुर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। झारखंड की रहने वाली दो बहनों ने आरोप लगाया है कि उन्हें एक तिलक समारोह में डांस प्रोग्राम के लिए बुलाया गया था, जहां उन्हें बंधक बनाकर 13 लोगों ने बारी-बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़ित बहनों ने नौबतपुर थाना में संयुक्त एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें बेलूरा रामपुर निवासी मुन्ना कुमार समेत 10 नामजद और 3 अज्ञात लोगों पर आरोप लगाया गया है। 18 जून को हुई इस वारदात के बाद, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक आरोपी मुन्ना कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िताओं का मेडिकल और कानूनी प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है, साथ ही उन्हें काउंसलिंग और सुरक्षा भी प्रदान की गई है। घटनास्थल से एफएसएल टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है और सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है।

इंडिगो विमान पर बिजली गिरने से यात्रियों में मची अफरा-तफरी

कोलकाता (एजेंसी)। एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब अगरतला जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान पर अचानक आसमानी बिजली गिर गई। तेज गरज-चमक और मूसलाधार बारिश के बीच हुई इस घटना के बाद विमान का पावर सिस्टम अचानक बंद हो गया, जिससे 141 यात्रियों और 6 क्रू सदस्यों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि विमान उस वक्त हवा में नहीं, बल्कि कोलकाता एयरपोर्ट के एक एयरोब्रिज पर खड़ा था। जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई6068 सुबह करीब 9-30 बजे एयरोब्रिज 56एल पर खड़ी थी, तभी तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के बीच उस पर बिजली गिरी। बिजली गिरने के असर से विमान का पावर सिस्टम अचानक बंद हो गया, जिसे 'सडन पावर ऑफ' स्थिति कहा गया। विमान के भीतर मौजूद यात्री और क्रू सदस्य अचानक हुई इस घटना से भौंचक्के रह गए। बाहर लगातार चमकती बिजली और गरज के बीच हो रही बारिश ने अंदर के माहौल को और भी डरावना बना दिया था। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बिना किसी देरी के सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए और सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकाला। इसके बाद सभी यात्रियों को एक दूसरे विमान 6ई321 में शिफ्ट किया गया। मूल रूप से सुबह 9-20 बजे उड़ान भरने वाली यह फ्लाइट आखिरकार करीब साढ़े तीन घंटे की देरी के बाद दोपहर 12-50 बजे अगरतला के लिए रवाना हो सकी। घटना के दौरान दो ग्राउंड स्टाफ भी बिजली के प्रभाव की चपेट में आए। उन्हें एहतियातन अस्पताल ले जाया गया, जहां मेडिकल जांच के बाद उन्हें तुरंत छुट्टी दे दी गई। उनकी हालत पूरी तरह सामान्य बताई जा रही है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम की आशंका को देखते हुए एयरपोर्ट ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर (एओसीसी) ने पहले ही मौसम संबंधी अलर्ट जारी कर दिए थे। दरअसल, शुक्रवार सुबह से ही कोलकाता और आसपास के जिलों में तेज आंधी, तूफान और मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है और सड़कों पर यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

कोचिंग फायरिंग मामले में खान सर को मिली बड़ी राहत, कोर्ट में केस डायरी पेश

पटना (एजेंसी)। कोचिंग फायरिंग मामले में फैजल खान उर्फ खान सर को राहत मिली। शनिवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई में पुलिस ने कोर्ट में अपडेटेड केस डायरी पेश की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैजल खान को मिला अंतरिम संरक्षण 25 जून तक बढ़ा दिया है। अगली सुनवाई तक खान सर की गिरफ्तारी नहीं होगी। इतना ही नहीं, मामले में नामजद खान पक्ष के अन्य लोगों को भी कोर्ट ने 'नो कोर्सिव एक्शन' की राहत दी है। उनके खिलाफ भी फिलहाल कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। बता दें पूरा विवाद 2 जून को उस समय सामने आया, जब पटना के दो प्रमुख कोचिंग संस्थानों के बीच तनाव बढ़ गया। ज्ञान बिंदु कोचिंग और खान ग्लोबल स्टडीज से जुड़े लोगों के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हुए। इसी दौरान खान सर ने आरोप लगाया कि कोचिंग पर हमला और फायरिंग की गई। मामले में दोनों पक्षों की ओर से गंभीर आरोप लगाए गए। घटना के बाद ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद और उनके भाई प्रिंस यादव का नाम भी विवाद में आया। खान ग्लोबल स्टडीज से जुड़े कर्मचारी कन्हैया सिंह की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस जांच के बाद रौशन आनंद को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया था। हालांकि 12 दिन बाद उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई। जेल से बाहर आने के बाद रौशन आनंद ने खान सर पर गंभीर आरोप लगाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल के विराटनगर में एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह खान सर की कोचिंग पर हुए हमले के मामले में नामजद था। गिरफ्तारी के डर से नेपाल में रह रहा था। घटना के बाद मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया। राजद नेता तेज प्रताप यादव ने भी इस मामले में बयान देकर निष्पक्ष जांच की मांग की थी, साथ ही रौशन आनंद ने अपने भाई प्रिंस यादव की मौत को भी संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

12 साल एनडीए को कोसा, अब उसी के साथ खड़े हो गए: थरूर

–सिद्धांतहीन राजनीति पर बरसे कांग्रेस नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में हुई हालिया टूट और उसके बागी सांसदों द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को समर्थन देने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। एक बातचीत में थरूर ने इस कदम को लालच, फायदे या धमकियों का परिणाम बताया और भारतीय राजनीति में बढ़ती सिद्धांतहीनता पर गहरा खेद व्यक्त किया। थरूर ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि इन दलबदलुओं के पीछे सत्ताधारी पार्टी की शक्ति और प्रलोभन ही काम कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से तृणमूल कांग्रेस से अलग हुए 20 लोकसभा सांसदों के गुट का जिक्र किया, जिन्होंने खुलकर एनडीए के साथ जुड़ने की घोषणा की है। थरूर ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, ये वही सांसद हैं जो पिछले 12 सालों से एनडीए पर लगातार हमले करते रहे हैं। ऐसे में अचानक उनमें यह गुण दिखना, यह दर्शाता है कि हमारे देश की राजनीति बिना सिद्धांतों वाली हो गई है, और यह बेहद दुखद है। यह राजनीतिक उठापटक पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद सामने आई, जब पार्टी को आंतरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सबसे पहले 58 विधायकों ने बगावत का झंडा उठाया और विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में सोवनदेब चट्टोपाध्याय को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसके कुछ ही समय बाद संसद में भी मुश्किलें बढ़ीं, जहाँ तीन राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दे दिया और फिर 20 लोकसभा सांसदों ने नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी में शामिल होकर एनडीए का समर्थन करने का फैसला किया। थरूर ने जोर दिया कि राजनीतिक नेताओं को अपने विचारों और सिद्धांतों पर अडिग रहना चाहिए, लेकिन उनका मुख्य मकसद हमेशा देश के हित में काम करना होना चाहिए। उन्होंने कहा, अपनी सोच पर अडिग रहें और मिलकर रचनात्मक ढंग से काम करें। मैंने हमेशा कहा है कि दूसरी तरफ वाले आपके दुश्मन नहीं हैं। वे आपके विरोधी हैं और आपका काम देश के सामूहिक हित के लिए काम करना है। कांग्रेस नेता ने आगे स्पष्ट किया कि राजनीति का अर्थ यह होना चाहिए कि आप मानते हैं कि आपका तरीका दूसरों के तरीके से बेहतर है, और यह देश के लिए एक बेहतर दृष्टि प्रदान करता है। उन्होंने जोर दिया कि राजनीति में बने रहने का मूल तर्क ही यही है कि आपके पास एक ऐसा विजन हो जिससे एक बेहतर भारत और एक बेहतर समाज का निर्माण हो सके।

यूपी-बिहार को है बारिश का इंतजार, बंगाल समेत 16 राज्यों में झमाझम का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो हफ्ते के ब्रेक के बाद दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के एक बार फिर रफ्तार पकड़ने की संभावना है। पूर्वोत्तर के राज्यों में मॉनसून का पूरा असर दिख रहा है। बंगाल में मूसलाधार बारिश की वजह से कई जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। जबकि यूपी और बिहार बारिश का इंतजार कर रहे हैं। इधर, मौसम विभाग ने 16 राज्यों में तेज आंधी के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 12 घंटे के अंदर ही पूर्वी यूपी, बिहार, महाराष्ट्र और दिल्ली में मौसम करवट ले सकता है। कई जगहों पर हवा की रफ्तार 90 किमी प्रतिघंटे तक भी जा सकती है। साथ ही हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। राजधानी दिल्ली में फिलहाल दो दिन ज्यादा बारिश की संभावना नहीं है। हालांकि आज मौसम सुहावना हो सकता है। अधिकतम तापमान में भी लगभग 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी। 20 और 21 जून को कई जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। 24 जून से तापमान बढ़ने की संभावना है। मौसम के जानकारों का कहना है कि जुलाई के पहले सप्ताह में मॉनसून दिल्ली पहुंच सकता है। आम तौर पर 27 जून तक मॉनसून दिल्ली पहुंच जाता था।

पूर्वी यूपी को तड़पाएगी गर्मी, बिहार में हीटवेव

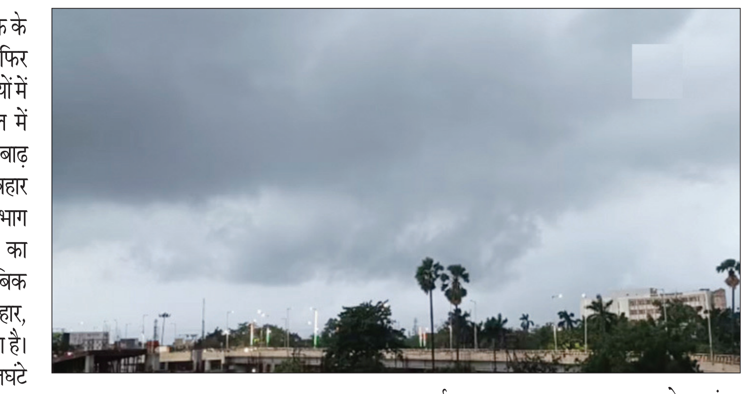

मौसम विभाग ने पूर्वी यूपी में भीषम गर्मी का अलर्ट जारी किया है। लखनऊ, बाराबंकी और सीतापुर में लू का कहर देखने को मिलेगा। इसके अलावा बरेली, हरदोई, शाहजहांपुर, बहराइच, उन्नाव, कानपुर, गोंडा, अयोध्या, गोरखपुर, अमेठी, प्रयागराज, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली में भी लू चलेगी। पूर्वी यूपी में 24 जून को बारिश हो सकती है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में शनिवार को भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बिहार तक मॉनसून पहुंचने के बाद भी यहां जमुई, भागलपुर, गया, बक्सर, गोपालगंज, भोजपुर, पश्चिमी चंपारण, नवादाद, मुंगेर, रोहतास, सारण, बांका और सिवान में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। 23 जून से इन इलाकों में मॉनसूनी बारिश हो सकती है।

यहां 12 घंटे में बरसेंगे बादल

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 12 घंटे में यूपी, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, गोवा, केरल, ओडिशा, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, असम, सिक्किम, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में बारिश हो सकती है।

बंगाल में बारिश का अलर्ट

पश्चिम बंगाल में मूसलाधार बारिश की वजह से कई जगहों पर बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। दार्जिलिंग में एक पुल बह गया। शनिवार को भी पश्चिमी बर्धमान, पुरुलिया, नदिया, बांकुरा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, हुगली और उत्तर 24 परगना में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

पहाड़ों पर होगी झमाझम बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ी राज्यों जैसे कि जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल के कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के चमोली, पिथौरागढ़, रूद्र प्रयाग, टिहरी गढ़वाल और नैनीताल में 20 जून को गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 25 जून तक कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश के सोलन, कुल्लू, मंडी, कांगड़ा, चंबा, शिमाल, हमीरपुर और सिरमौर में भी बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में ऊंचाई वाले इलाकों में 22 जून तक अच्छी बारिश हो सकती है।

आज पीएम मोदी नौसेना को सौंपेंगे तीन स्वदेशी युद्धपोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना नीले समंदर में अपनी ताकत और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए लगातार स्वदेशी युद्धपोतों को अपने बेड़े में शामिल कर रही है। इसी कड़ी में कल 21 जून का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाएगा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट में आयोजित एक खास समारोह में एक साथ तीन अत्याधुनिक वॉरशिप को नेवी में शामिल करेंगे। यह देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूती देने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इन तीन महत्वपूर्ण युद्धपोतों में गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट दूनागिरी, एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रेह और सर्वे वेसेल लार्ज संशोधक शामिल हैं। इन जहाजों का बेड़े में शामिल होना भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल क्षमताओं में अभूतपूर्व वृद्धि करेगा और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। प्रोजेक्ट 17ए के तहत निर्मित पांचवां गाइडेड स्टेल्थ फ्रिगेट दूनागिरी, अपनी श्रेणी में एक उन्नत युद्धपोत है। यह पूर्ववर्ती आईएनएस दूनागिरी का आधुनिक स्वरूप है, जिसने 1977 से 2010 तक नौसेना की सेवा की थी। दूनागिरी को कम समय में बनाया गया है, जो भारतीय इंजीनियरिंग और निर्माण क्षमताओं का प्रमाण है। यह युद्धपोत ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली, बराक-8 लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, आधुनिक एयर डिफेंस गन, स्वदेशी टॉरपीडो वरुणास्त्र और अत्याधुनिक सोनार तथा कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम से लैस है। इसका 75 प्रतिशत से अधिक उपकरण स्वदेशी हैं और इसका डिजाइन नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 6,700 टन वजनी यह फ्रिगेट 30 नॉट की अधिकतम गति से समुद्र में दुश्मनों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। दुश्मन की पनडुब्बियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए भारतीय नौसेना की एंटी-सबमरीन वॉरफेयर (एएसडब्ल्यू) शैलो वॉटर क्राफ्ट परियोजना के तहत अग्रेह को बेड़े में शामिल किया जा रहा है। यह अपनी श्रेणी का महत्वपूर्ण जहाज है, जो एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर, लाइटवेट टॉरपीडो, 30 मिमी नेवल गन, हल-माउंटेड सोनार और वैरिएबल डेप्थ सोनार जैसी प्रणालियों से लैस है। यह क्राफ्ट 25 नॉट की रफ्तार से चल सकता है और तटीय क्षेत्रों में 100 से 150 नॉटिकल मील तक दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने में सक्षम है, जिससे हमारी तटीय सुरक्षा मजबूत होगी। इससे पहले भी इस परियोजना के तहत कई अन्य जहाज नौसेना में शामिल किए जा चुके हैं। मुद्र की गहराई और उसके नीचे की स्थितियों को समझने तथा सुरक्षित नेविगेशन के लिए समुद्री चार्ट तैयार करने हेतु आधुनिक सर्वे जहाजों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कड़ी में, संशोधक नामक चौथा और आखिरी लार्ज सर्वे वेसेल नौसेना में शामिल होने जा रहा है। ये जहाज समुद्र तल की स्कैनिंग करने,

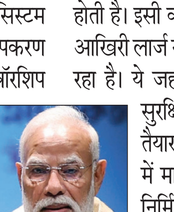

सुरक्षित नेविगेशन रूट के लिए समुद्री चार्ट तैयार करने और हाइड्रोग्राफिक सर्वे करने में माहिर हैं। जीआरएसई, कोलकाता में निर्मित संशोधक में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है और इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के नेवल डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। 110 मीटर लंबा और लगभग 3,800 टन वजनी यह जहाज 18 नॉट की अधिकतम रफ्तार से 25 दिनों से अधिक समय तक समुद्र में सक्रिय रह सकता है, जो समुद्री नेविगेशन को सुरक्षित बनाने में अमूल्य योगदान देगा। इन तीन स्वदेशी युद्धपोतों का एक साथ नौसेना में शामिल होना भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का स्पष्ट प्रमाण है। यह न केवल भारतीय नौसेना की ऑपरेशनल तैयारियों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी सुदृढ़ करेगा, जिससे देश की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा।

खुलासा : संघ के दफ्तर पर बम फेंकने के निर्देश दुबई में बैठे आवेश ने दिए

–पहले फायरिंग करने की थी योजना, हथियार नहीं मिलने से बदला प्लान

रांची (एजेंसी)। रांची में आरएसएस के ऑफिस पर पेट्रोल बम फेंकने की सोची-समझी साजिश थी। पुलिस के मुताबिक इसके बाद लखनऊ में भी हमले की योजना थी। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने यह जानकारी दी। पूछताछ में आरोपी अमन के मुताबिक पेट्रोल बम फेंकने का निर्देश दुबई से मिला था। दुबई में बैठे तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान के सदस्य आवेश राजपूत उर्फ राणा और शहजाद उर्फ शाहनवाज आलम उर्फ भट्ठी इसका मास्टरमाइंड है। हमले के बाद अमन अंसारी उर्फ गोलू और सैफ अंसारी उसी दिन ट्रेन से कानपुर रवाना हो गए थे, लेकिन रांची पुलिस ने दोनों को गझंडी स्टेशन से गिरफ्तार किया।

जानकारी के मुताबिक आरोपी अमन ने बताया कि सितंबर 2025 में वह नौकरी के लिए मुंबई गया था। वहां एजेंट ने उसे दुबई भेजा। वहां उसे मरमुम स्टार टेक्निकल सर्विस एलएलसी कंपनी में एसी बनाने का काम मिला। वीजा की तारीख समाप्त होने के बाद कंपनी के सुपरवाइजर ने उसे वापस मुंबई भेज दिया। इसके बाद वह झारखंड लौट आया। झारखंड आने के बाद अहमद अली ने उसकी फोन पर राणा से बात कराई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि राणा ने उसे आरएसएस दफ्तर पर पेट्रोल बम फेंकने के लिए तीन युवकों को तैयार करने के लिए कहा था। इसके बदले में अहमद ने अच्छे पैसे देने की बात कही थी।

आरोपी के मुताबिक दुबई में बैठे आवेश राजपूत ने 15 जून की रात उसके वॉट्सएप पर रांची स्थित संघ के दफ्तर की तस्वीर और लोकेशन भेजी। आरोपी का दावा है कि उसे पेट्रोल बम फेंककर दफ्तर में आग लगाने का निर्देश दिया था। 16 जून की रात वह, सैफ और उनका साथी सायम सुजान आरएसएस दफ्तर पहुंचे। सैफ ने पेट्रोल बम फेंका, जबकि अमन घटना का वीडियो बना रहा था। पहला पेट्रोल बम नहीं फटा, जिसकी जानकारी राणा को दी गई। इसके बाद कथित तौर पर राणा ने दूसरा पेट्रोल बम फेंकने का निर्देश दिए। आरोपी के मुताबिक दूसरा पेट्रोल बम फेंकने के बाद विस्फोट हुआ और तीनों वहां से फरार हो गए।

पुलिस की पूछताछ में अमन ने बताया कि अगले दिन सुबह राणा का फोन आया और उसने रांची छोड़कर कानपुर जाने को कहा। कानपुर से उन्हें लखनऊ जाकर दूसरी वारदात को अंजाम देने का निर्देश दिया गया। अमन ने बताया कि उसने अपने दोस्त हैदर से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड लिया। आरोपी के मुताबिक वह इस नंबर का इस्तेमाल अलग-अलग लोगों से बातचीत के लिए करता था। दुबई में मौजूद राणा ने 10 जून के बाद इसी नंबर से वॉट्सएप अकाउंट बनाया और उसका इस्तेमाल किया। पूछताछ में अमन ने बताया कि आवेश राजपूत उर्फ राणा और भट्ठी पहले गोलीबारी कराकर दहशत फैलाना चाहते थे।

अब राज्यसभा में एनडीए की निर्णायक बढ़त, कांग्रेस को मिली मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ।18 जून 2026 को हुए राज्यसभा चुनाव के बाद उच्च सदन के सियासी समीकरण पूरी तरह से स्पष्ट हो गए हैं, जिसने सत्ताधारी भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है। इन चुनावों के परिणाम ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की स्थिति को और कमजोर कर दिया है, हालांकि उसने तीन सीटों की मामूली बढ़त दर्ज करते हुए अपने कुल सांसदों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 कर ली है। लेकिन यह बढ़ोतरी भाजपा की 116 सीटों के मुकाबले कहीं नहीं ठहरती, जो सदन में सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। दोनों राष्ट्रीय दलों के बीच अब 86 सीटों का विशाल अंतर हो गया है, जो विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुका है।

हाल ही में 10 राज्यों की 26 सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव ने इन समीकरणों को और पुख्ता कर दिया है। इन चुनावों में एनडीए ने 19 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को केवल 6 सीटों से संतोष करना पड़ा। मिजोरम में जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के खाते में एक सीट गई। क्रॉस-वोटिंग और निर्विरोध निर्वाचन जैसी घटनाओं ने एनडीए की स्थिति को और मजबूत किया, जिससे विपक्षी गठबंधन को नुकसान उठाना पड़ा।

जनवरी 2026 में जे.पी. नड्डा के बाद नितिन नवीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पार्टी और एनडीए गठबंधन उच्च सदन में बेहद मजबूत स्थिति में हैं। कुछ हफ्ते पहले आम आदमी पार्टी (आप) में हुई बगावत के बाद राघव चड्ढा द्वारा सात राज्यसभा सांसदों को एनडीए के पाले में लाने से सत्ताधारी गठबंधन को अप्रत्याशित मजबूती मिली। इसके परिणामस्वरूप, मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई वाली कांग्रेस अब सिर्फ 30 सीटों पर ठिठक गई है, और पूरे इंडिया गठबंधन के पास कुल 63 सीटें हैं। राज्यसभा में संख्या बल की यह भारी कमी विपक्ष के लिए एक विकराल चुनौती बन गई है। इसका सीधा अर्थ यह है कि सरकार के किसी भी महत्वपूर्ण विधेयक या विधायी कामकाज को उच्च सदन में रोकना विपक्ष के लिए गणितीय रूप से नामुमकिन हो गया है। एनडीए अब निर्णायक बहुमत के साथ अपनी नीतियों को आसानी से पारित करा सकता है, जिससे आगामी वर्षों में देश की विधायी प्रक्रिया में उसकी पकड़ और मजबूत होगी।

झारखंड में कांग्रेस को बड़ा झटका

इन चुनावों में झारखंड में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। 18 जून को हुई दो सीटों पर वोटिंग में, सत्तारूढ़ इंडिया ब्लॉक के पास पर्याप्त बहुमत होने के बावजूद, क्रॉस-वोटिंग के कारण भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणव झा को पराजित किया। दूसरी सीट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बैद्यनाथ राम ने जीत हासिल की। यह घटना विपक्ष की अंदरूनी कलह और बिखराव को

उजागर करती है, जिसका सीधा फायदा एनडीए को मिलता दिख रहा है।

टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैंसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैंसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30

बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?गा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो ?ती रही। करीब 7:13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी,जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वतः समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दंपति ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी

रोहतक। पुरानी सब्जी मंडी थाना के अंतर्गत डेयरी मोहल्ला स्थित एक घर में दंपति द्वारा जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवो को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। डीएसपी व एफएसएल की टीम ने भी घटना स्थल का निरीक्षण कर परिजनों से इस बारे में पता किया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम को डेयरी मोहल्ला निवासी राजीव व उसकी पत्नी शिवानी ने घर में जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पति व पत्नी में काफी समय से विवाद चल रहा था और शिवानी अपने मायके दिल्ली में बच्चों के साथ रह रही थी। पति व पत्नी में विवाद खत्म करने के लिए हर शिवानी आज दिल्ली से अपनी ससुराल डेयरी मोहल्ला में आई थी और इस दौरान दोनो ने कमरे में जाकर जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। पुलिस मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है।

हरियाणा में तीन लाख 54 हजार व्यक्ति रहते हैं अकेले, होगा सत्यापन

चंडीगढ़। हरियाणा में परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के माध्यम से खुद को अकेला बताने वाले लगभग 3.54 लाख लोगों का सत्यापन हरियाणा सरकार द्वारा बड़े स्तर पर किया जा रहा है।प्रदेश में ऐसे 3.54 लाख से ज्यादा व्यक्ति चिन्हित किए गए हैं। इनमें 1.90 लाख लोगों ने अपनी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपए से कम बताई है, लेकिन अब तक केवल 1.66 लाख लोगों का ही बीपीएल सत्यापन पूरा हो पाया है। करीब 24 हजार लोग अभी भी सत्यापन प्रक्रिया से बाहर हैं। सरकार ने चेतावनी दी है कि समय पर वेरिफिकेशन नहीं कराने पर राशन, पेंशन, स्वास्थ्य और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने में देरी हो सकती है। परिवार पहचान प्राधिकरण के अनुसार, कई सरकारी योजनाओं का लाभ पीपीपी और आय के रिकॉर्ड के आधार पर दिया जाता है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लाभ केवल वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे। पीपीपी के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला के अनुसार जिन लोगों को मोबाइल पर मैसेज मिला है, उन्हें जल्द से जल्द नजदीकी पीपीपी केंद्र या संबंधित अधिकारी से संपर्क कर अपना वेरिफिकेशन कराना चाहिए।

एचएसएससी ने ग्रुप डी सीईटी के लिए खोला पोर्टल

चंडीगढ़,। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप डी के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) का ऐलान करने के बाद पोर्टल खोल दी है। इस बीच आयोग ने पोर्टल खोलने के साथ अभ्यर्थियों से इस संबंध में सुझाव मांग लिए हैं। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सीईटी ग्रुप डी के नोटिफिकेशन को लेकर यदि किसी का कोई सुझाव या प्रश्न है तो वह दिए गूगल फॉर्म के माध्यम से हमें भेज सकता है। सुझावों पर आयोग विचार करेगा। इससे पहले भी आयोग चेयरमैन हिम्मत सिंह विभिन्न विषयों को लेकर सुझाव मांगे हैं। युवाओं के सुझावों को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए गए हैं। युवाओं की सुविधा के अनुसार निर्णय लिए जाए। इसलिए अब फिर से गूगल फार्म के माध्यम से युवाओं से नोटिफिकेशन को लेकर सुझाव या प्रश्न मांगे गए हैं। ग्रुप डी के लिए सुबह से ऑनलाइन आवेदन शुरू हो चुके हैं।

आयोग के अनुसार, ग्रुप डी भर्ती-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 19 जून से शुरू होगी, जबकि अभ्यर्थी 3 जुलाई रात 11:59 बजे तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 6 जुलाई निर्धारित की गई है। आयोग ने अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार का भी अवसर दिया है। उम्मीदवार 7 जुलाई से 9 जुलाई तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। परीक्षा और एडमिट कार्ड जारी करने की तिथि बाद में अलग से घोषित की जाएगी।

एचएसएससी ने जारी किया पीएमटी का नया शेड्यूल

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने विभिन्न विभागों के पदों के लिए आयोजित किए जाने वाले फिजिकल मेजरमेंट टेस्ट (पीएमटी) का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। आयोग ने विज्ञापन संख्या 13/2024, 01/2026, 02/2026 और 04/2026 के तहत शॉर्टलिस्ट किए गए पुरुष अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया है। यह कार्यक्रम आयोग द्वारा 17 अप्रैल, 10 जून और 15 जून 2026 को जारी सार्वजनिक सूचनाओं की निरंतरता में जारी किया गया है।आयोग के अनुसार, पीएमटी का आयोजन 22 जून से 27 जून 2026 तक विभिन्न बैचों में किया जाएगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा स्थल पर पहुंचना अनिवार्य होगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि प्रथम बैच के लिए सुबह 7 बजे, दूसरे बैच के लिए 9 बजे, तीसरे बैच के लिए 11 बजे और चौथे बैच के लिए दोपहर 1 बजे के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। एचएसएससी ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा के आधार पर कुछ मामलों में पहचान संबंधी विसंगतियां पाई गई थी।

अधिकारी आमजन की शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करें : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और आमजन की शिकायतों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि वास्तविक और सक्रिय है। सिरसा में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला, जहां मुख्यमंत्री ने न केवल शिकायतों को गंभीरता से सुना बल्कि मौके पर ही फोन पर संवाद कर मामलों की गहराई से जानकारी ली और तुरंत निर्णय भी दिए।

बैठक के दौरान दो ऐसे मामले सामने आए जिनमें शिकायतकर्ता स्वयं उपस्थित नहीं थे। इस पर मुख्यमंत्री ने बिना समय गंवाए फोन पर सीधे शिकायतकर्ताओं से बात कर पूरी स्थिति की जानकारी ली। पहला मामला फतेहपुर जातांवाली निवासी संजय कुमार का था, जिन्होंने

रजवाहे पर साइफन सही तरीके से न लगाए जाने की शिकायत की थी। मुख्यमंत्री ने स्वयं फोन पर संजय कुमार से बातचीत कर पूरे मामले को समझा और तुरंत एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित करने के निर्देश दिए, ताकि निष्पक्ष जांच के साथ समाधान सुनिश्चित हो सके। दूसरा मामला श्रीमती निर्मल कौर से जुड़ा था, जिनकी ओर से उनके पिता बैठक में उपस्थित हुए थे। शिकायत में बताया गया था कि उनके पति श्री विरेंद्र पाल, जो आयुष विभाग में फार्मासिस्ट थे, उनका फरवरी 2026 में निधन हो गया था, आरोप थे कि उसके बाद उन्हें मिलने वाले लाभ और सहायता प्रदान नहीं की गई। हालांकि बैठक में उपस्थित उनके पिता ने आयुष विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर संतोष जताया। लेकिन, मुख्यमंत्री ने इस मामले में भी सीधे श्रीमती निर्मल कौर से फोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने भी विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया और मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद भी किया। मुख्यमंत्री की इस प्रकार की जनता के प्रति जवाबदेही वाली कार्यशैली ने स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली में न केवल प्रशासनिक सक्रियता है, बल्कि जनता की समस्याओं को व्यक्तिगत स्तर पर सुनने और समाधान निकालने की गंभीर प्रतिबद्धता भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने सिरसा के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी आमजन की समस्याओं को हल करते हुए शिकायतों का निदान करें। बैठक में 15 शिकायतें सुनवाई के लिए रखी गई जिनमें से 12 शिकायतों का निपटान कर दिया गया और तीन शिकायतें लंबित रखी गई है।

कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेः मुख्यमंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सिरसा के पंचायत भवन में आयोजित जन कल्याण शिविर का अवलोकन किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे आम जनता तक पहुंचाना और उन्हें जागरूक करना था। शिविर में स्वास्थ्य, कृषि, समाज कल्याण, महिला एवं बाल सहित विभिन्न विभागों ने अपनी स्टॉल लगाई। मुख्यमंत्री ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकासात्मक और कल्याणकारी स्टालों का निरीक्षण किया। अवलोकन के दौरान उन्होंने अधिकारियों से विभागों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं और उनके क्रियान्वयन की प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

केंद्र और राज्य सरकार का एकमात्र लक्ष्य अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान करना है। सरकार की नीतियां पारदर्शी हैं और तकनीकी के माध्यम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगाते हुए सीधा लाभ लाभार्थियों के खातों में भेजा जा रहा है। इस अवसर पर उनके साथ उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिरसा दीपक सहारण, पुलिस अधीक्षक डबवाली जसलीन कौर, अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल, पूर्व सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल, जिलाध्यक्ष भाजपा सिरसा यतिंद्र सिंह एडवोकेट, जिलाध्यक्ष भाजपा डबवाली श्रीमती रेणू शर्मा मौजूद रहे।

सरकार की मंजूरी के बिना शहरों में नहीं होगी जमीन की अदला-बदली

एजेंसी

चंडीगढ़।हरियाणा के शहरों और पालिका के साथ लगते क्षेत्रों में जमीन की अदला-बदली के लिए अनिवार्य रूप से सरकार से मंजूरी लेनी पड़ेगी। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग ने हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) विधेयक 2026 को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। बजट सत्र में विधानसभा में विधेयक के पारित होने के बावजूद अभी तक राज्यपाल की सहमति नहीं मिलने के कारण अधिसूचना जारी नहीं हो पाई है। जिस कारण वित्तायुक्त राजस्व और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से इस संबंध में नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग की ओर से स्थिति स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (संशोधन) अधिनियम के तहत शहरों से लगते अधिसूचित क्षेत्रों में अवैध कालोनियों पर अंकुश लगाने और सस्ती जमीन देकर महंगी जमीन लेने का फर्जीवाड़ा खत्म करने के लिए धारा 7-ए में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार एक एकड़ से कम भूमि को बदलने के लिए भी नगर एवं ग्राम नियोजन निदेशक या सक्षम प्राधिकारी से अनुमति लेनी होगी। जमीन की रजिस्ट्रियों के दौरान पंजीकरण अधिकारियों ने पाया कि कई जगह छोटे भूखंडों की अदला-बदली करके अधिसूचित शहरी क्षेत्रों में स्थित कहीं बड़े या अधिक मूल्यवान भूखंड लिए जा रहे थे। हालांकि ऐसे लेन-देन कानूनी रूप से एक्सचेंज कहलाते हैं, परंतु वास्तव में ये अप्रत्यक्ष विक्रय लेन-देन होते हैं, जिसमें अधिनियम की धारा-7क के विनियामक प्रविधानों को दरकिनार किया जा रहा है।

टोक्यो में पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 का शुभारंभ

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत की सनातन सांस्कृतिक विरासत और श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वभौमिक संदेश को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में जापान के टोक्यो में शुरू किए गए अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव - 2026के दौरान जापान की राष्ट्रीय संसद (डाइट) के सदस्यों तथा देश के प्रमुख राजनीतिक एवं सामाजिक नेताओं को श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां भेंट की गईं । यह आयोजन भारत और जापान के बीच लगातार मजबूत हो रहे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक संबंधों का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के वरिष्ठ नेता यासुतोशी निशिमुरा को गीता की प्रति भेंट की गई। इसके अलावा जापान की संसद के उच्च सदन (हाउस ऑफ काउंसिलर्स) में गीता की स्थापना में सहयोग देने वाले योशियो मोचिजुकी तथा निचले सदन (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में गीता

की स्थापना में सहयोग प्रदान करने वाले अटलांटिक फ्लैट को भी श्रीमद्भगवद्गीता की प्रतियां भेंट कर सम्मानित किया गया। गीता मनीषी एवं आध्यात्मिक गुरु स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज द्वारा गीता ज्ञान की विस्तृत व्याख्या की गई। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य सचिव और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा तथा संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, जापान में भारतीय समुदाय के प्रमुख प्रतिनिधि अजय नारुला, रोहन अग्रवाल, विनय, श्रीहरि तथा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण के सदस्य विजय नारुला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में श्रीमद्भगवद्गीता की वैश्विक प्रासंगिकता, विश्व शांति एवं मानव कल्याण में आध्यात्मिक मूल्यों की भूमिका तथा भारत-जापान मैत्री को और अधिक सुदृढ़ बनाने के विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता सम्पूर्ण मानवता के लिए जीवन प्रबंधन का कालजयी ग्रंथ है। यह मनुष्य को कर्तव्यनिष्ठा, आत्मानुशासन, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में, जब तनाव, प्रतिस्पर्धा और संघर्ष बढ़ रहे हैं, तब गीता की शिक्षाएं मानव जीवन को शांति, आत्मविश्वास और आंतरिक संतुलन प्रदान करने का प्रभावी मार्ग दिखाती हैं।

जापानी सांसद योशियो मोचिजुकी द्वारा आधुनिक जीवन में बढ़ते कार्यभार और तनाव से मुक्ति का उपाय पूछने पर स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने श्रीमद्भगवद्गीता के तीन महत्वपूर्ण श्लोकों का उल्लेख करते हुए उनके आध्यात्मिक और व्यावहारिक पक्ष की व्याख्या की। उन्होंने बताया कि गीता का निष्काम कर्म, समत्व और आत्मसंयम का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना हजारों वर्ष पूर्व था।

हरियाणा में मृत,स्थानांतरित और गैर हाजिर मतदाताओ की सूची राजनीतिक दलों को दी जाएगी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने के लिए राज्य निर्वाचन विभाग ने एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य के सभी 23 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश दिए गए हैं कि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट (एएसडी) श्रेणी में चिन्हित मतदाताओं की बूथवार सूचियां राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ साझा करें। इसके साथ ही ये सूचियां संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की वेबसाइट पर भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। इस पहल का उद्देश्य ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने से पहले ही संभावित त्रुटियों को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन

अधिकारी ए श्रीनिवास के अनुसार एसआइआर अभियान के दौरान जिन मतदाताओं को एएसडी श्रेणी में चिन्हित किया गया है, उनसे संपर्क स्थापित करने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने तीन या उससे अधिक बार प्रयास किए हैं। इसके बावजूद जिन मतदाताओं की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी, उनकी सूची अब राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ साझा की जाएगी ताकि उनकी वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया जा सके।

हरियाणा के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजकुमार ने बताया कि राज्य के सभी 23 जिलों में कार्यरत 20 हजार 629 बीएलओ राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 31 हजार 894 बीएलए के साथ बूथ स्तर पर बैठकें करेंगे और एएसडी मतदाताओं की सूचियां साझा करेंगे। इन बैठकों के माध्यम से प्रत्येक मतदाता की सही स्थिति का निर्धारण किया जाएगा ताकि ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने से पहले किसी भी त्रुटि को सुधारा जा सके। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार राजनीतिक दलों की भागीदारी से मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनेगी। इससे मृत, स्थानांतरित या डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान आसान होगी, वहीं पात्र मतदाताओं के नाम सूची से हटने की आशंका भी कम होगी। ड्राफ्ट मतदाता सूचियों के प्रकाशन के बाद बूथवार, विधानसभावार और जिलावार एएसडी सूचियां संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ-साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इन सूचियों को इपिक सर्च योग्य मोड में रखा जाएगा, जिससे मतदाता आसानी से अपनी स्थिति की जांच कर सकेंगे। ए श्रीनिवास ने बताया कि एसआइआर अभियान के तहत घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन का कार्य भी तेजी से जारी है। 19 जून 2026 तक हरियाणा में बीएलओ द्वारा एक करोड़ 14 लाख 66 हजार 128 मतदाताओं को एन्यूमरेशन (गणना) फार्म वितरित किए जा चुके हैं, जो राज्य के कुल मतदाताओं का 55.51 प्रतिशत है। उन्होंने दावा किया कि अभियान को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है।

हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की पंजाब में हो रही चर्चाः नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव में पंजाब में कमल खिलेगा। हरियाणा में डब्बल इंजन की सरकार जो हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, उसकी चर्चा पंजाब में भी है। पंजाब की वर्तमान सरकार ने केवल बड़ी-बड़ी बातें करके वोट हासिल किये है और अब वहां की सरकार ने पंजाब की जनता को उनके हालात पर छोड़ दिया है, लेकिन पंजाब के लोग विकास चाहते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिरसा के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक के उपरांत मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज आमजन भाजपा की कल्याणकारी नीतियों से लाभांवित हो रहे हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि हम गुरुओं की कृपा की वजह से यहां बैठे हैं और जब-जब धर्म पर संकट आया तो महापुरुषों ने देश-धर्म की रक्षा के लिए अपनी पीढ़ियों की कुर्बानियां दी है। पंचकूला में श्री गुरु अर्जन देव का शहीदी दिवस भी मनाया गया ताकि आने वाली पीढ़ियां भी उनके जीवन से प्रेरणा ले सके, जिन्होंने अपने पूरे परिवार को देश व धर्म पर न्यौछावर कर दिया।

नीट की पुनर्परीक्षा को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी, उनके लिए निःशुल्क बस सेवा की सुविधा भी दी गई है। मुख्यमंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि विपक्ष के लोग केवल राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस के राज में प्रदेश की कानून व्यवस्था का बुरा हाल था। कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार का समझौता नहीं होगा। प्रदेश की सरकार प्रदेश के हर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए मजबूती से खड़ी हैं। सरकार जब सेशन बुलाती है तो विपक्ष के लोग भाग जाते हैं, उन्हें सेशन में तो बैठना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए सरकार लगातार बजट दे रही है।

आई ए एस रामकुमार सिंह पंचकूला नगर निगम की बैंक जमाओ के घोटाला मामले में तीज दिन के रिमांड पर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के आठ और चंडीगढ़ प्रशासन के दो विभागों से जुड़े 657करोड़ के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाला मामले में हरियाणा के करीब दस आई ए एस सीबीआई जांच के दायरे में है।इनमें से एक आई ए एस रामकुमार सिंह को सीबीआई ने गुरुवार को गिरफ्तार किया। पंचकूला की अदालत ने रामकुमार सिंह को तीन दिन की रिमांड पर सीबीआई को सौंपा है।रामकुमार सिंह पंचकूला नगर निगम के आयुक्त रहे है। नगर निगम की करीब 152करोड़ की राशि का घोटाला आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के जरिए किया गया।

हरियाणा सरकार ने इस घोटाला मामले में रामकुमार सिंह के अलावा आई ए एस डी के बेहरा, पंकज अग्रवाल,प्रदीप कुमार और मोहम्मद शाइन समेत सात आई ए एस के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दी है। चंडीगढ़ के सेक्टर 32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की शाखा में नगर निगम पंचकूला के खाते से सरकारी धन की हेराफेरी से जुड़ा हुआ है। इनमें मोहम्मद शाइन के खिलाफ स्टेट विजिलेंस ने अंबाला के मनरेगा घोटाला मामले में कार्रवाई की सिफारिश की थी।सीबीआई जांच में सामने आया है कि नगर निगम पंचकूला का बैंक खाता हरियाणा सरकार के वित्त विभाग के प्रचलित दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए

इस मामले में अब तक सीबीआई 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

खोला गया था। जांच एजेंसी के अनुसार, खाते के आवेदन फॉर्म में जानबूझकर ऐसी जानकारियां दर्ज की गईं, जिनसे बाद में किए जाने वाले फर्जी वित्तीय लेन-देन को छिपाया जा सके।जांच के दौरान यह भी पता चला कि तत्कालीन आयुक्त आर.के. सिंह ने आई डी एफ सी फर्स्ट बैंक के आरोपी अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर फिक्स्ड डिपॉजिट बनाने के नाम पर कई हस्ताक्षरित चेक बिचौलियों के माध्यम से बैंक अधिकारियों को सौंपे थे। इन चेकों के जरिए नगर निगम के खाते से धनराशि निकाल ली गई, लेकिन कोई भी फिक्स्ड डिपॉजिट नहीं बनाया गया। निकाली गई राशि को बैंक अधिकारियों द्वारा नियंत्रित शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर दिया गया।सीबीआई के अनुसार, इस पूरे घोटाले को नगर निगम पंचकूला के तत्कालीन आयुक्त और वरिष्ठ लेखाकार की जानकारी और सक्रिय भागीदारी से अंजाम दिया गया।

वरिष्ठ लेखाकार को पहले ही इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच में आर.के. सिंह की सक्रिय भूमिका सामने आने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने चंडीगढ़ और करनाल स्थित उनके आवासों पर तलाशी भी ली, जहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं।गौरतलब है कि हरियाणा सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने यह जांच राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से अपने हाथ में ली थी।

खेतों की बिजली ठप होने पर भड़के किसान

एजेंसी

जींद। खेतों की बिजली लाइन लंबे समय से ब्रेकडाउन रहने से उचाना में किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। खरकभूरा, अलीपुरा और कर सिंधु गांवों के किसान बिजली निगम कार्यालय पहुंचे और समस्या के समाधान की मांग की। किसान कार्यालय पर ताला लगाने के इरादे से पहुंचे थेए लेकिन एसडीओ जोजो तनेजा द्वारा उनकी शिकायतें सुन कर जल्द समाधान का आश्वासन दिए जाने के बाद किसान शांत हुए। किसानों ने आरोप लगाया कि खेतों की बिजली लाइन पिछले काफी समय से बंद पड़ी है, जिससे फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा। किसानों का कहना है कि हाल ही में आए तूफान के दौरान टूटे बिजली पोल भी अब तक नहीं बदले गए हैंए जिसके कारण धान की पौध सूखने लगी है। किसान कपिल ने बताया कि अलीपुरा, खरकभूरा और करसिंधु गांवों की एपी लाइन करीब काफी समय से खराब है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित लाइनमैन न तो फोन उठाता है और न ही मौके पर पहुंचता है। एसडीओ और एक्सईएन को कई बार शिकायत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि करीब दो हजार एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई इस लाइन पर निर्भर है और बिजली न मिलने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान भूपेंद्र ने कहा कि तेज आंधी के दौरान कई बिजली खंभे टूट गए थे लेकिन उन्हें बदलने का कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि लाइनमैन के खिलाफ लगभग 20 बार लिखित शिकायत दी जा चुकी है। फिर भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इस मामले में एसडीओ जोजो तनेजा ने कहा कि हाल के तूफानों में बड़ी संख्या में बिजली पोल और ट्रांसफर्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिसके चलते बिजली आपूर्ति बाधित हुई। उन्होंने बताया कि ठेकेदार से बातचीत कर टूटे हुए पोल बदलने के निर्देश दिए गए हैं तथा बिजली आपूर्ति जल्द बहाल कर दी जाएगी।

मार्केटिंग के तौर-तरीकों को नया आकार दे रहा है एआईः प्रो. डेनिश शाह

एजेंसी

गुरुग्राम। अमेरिका की जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के रॉबिन्सन कॉलेज ऑफ बिजनेस में मार्केटिंग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ.) डेनिश शाह ने कहा कि एजेंटिक एआई मार्केटिंग के तौर-तरीकों को नया आकार दे रहा है। यह स्वयं निर्णय लेने की क्षमताओं से कई पहलुओं को प्रभावित कर रहा है। प्रोफेसर शाह गुरुग्राम स्थित श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के ट्रांजिट कैंपस में आयोजित विशेष सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे।

एसवीएसयू के स्किल फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च द्वारा मार्केटिंग में एजेंटिक एआई के विकास से अवसर, चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं विषय पर आयोजित इस सत्र में प्रोफेसर शाह ने कई दिलचस्प बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई निर्णय लेने की अथाह क्षमताओं के कारण मार्केटिंग में बड़े बदलाव ला रहा है। एआई मार्केटिंग के भविष्य को पूरी तरह बदल देगा। इसलिए मार्केटिंग क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को इसके लिए तैयार रहना होगा। प्रोफेसर शाह ने कहा कि मार्केटिंग अब पुराने ढर्रे पर नहीं चलेगी, बल्कि एआई के प्रभाव उसके स्वरूप को परिवर्तित कर रहे हैं। सत्र के दौरान उपस्थित लोगों को एआई-आधारित निर्णय प्रक्रिया, ने प्रोफेसर डेनिश शाह का स्वागत किया। प्रोफेसर ज्योति राणा ने बताया कि इस सत्र का आयोजन कुलगुरु प्रोफेसर दिनेश कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस सत्र में मैनेजमेंट और कंप्यूटर साइंस फैकल्टी के साथ-साथ रिसर्च स्कॉलर्स भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान

ऑटोमैटिक मार्केटिंग सिस्टम, ग्राहकों को जोडने के नए तौर-तरीकों और डिजिटल युग में मार्केटिंग प्रोफेशनल्स के लिए जरूरी नए स्किल्स के बारे में गहराई से जानने का मौका मिला। इसके साथ ही, कंपनियों में एआई को अपनाने के दौरान सामने आने वाले नैतिक, तकनीकी और रणनीतिक पहलुओं पर भी गंभीर चर्चा हुई। संकाय की डीन प्रोफेसर ज्योति राणा और ट्रांजिट कैंपस की निदेशक प्रोफेसर सुजाता शाही कौशल विकास से जुड़े प्रोग्राम्स में आपसी सहयोग और साझेदारी को लेकर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर स्किल डिपार्टमेंट ऑफ बैंकिंग एन्ड फाइनेंस के अध्यक्ष डॉ. समर्थ सिंह, स्किल डिपार्टमेंट ऑफ टूरिज्म एन्ड हॉस्पिटैलिटी की चेयरपर्सन डॉ. सविता शर्मा, प्रोफेसर रूचि सक्सेना और डॉ. विजेंद्र सिंह के अलावा काफी संख्या में शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

गुरुग्राम पुलिस ने गठित की पांच लॉ-एंड-ऑर्डर कंपनियां

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं त्वरित बनाने के लिए गुरुग्राम पुलिस ने पांच विशेष लॉ-एंड-ऑर्डर कंपनियों का गठन किया है। इन कंपनियों का मकसद किसी भी आपातकालीन, संवेदनशील या कानून व्यवस्था से जुड़ी स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करना है।गठित पांच कंपनियों में से चार कंपनियां जोन अनुसार बनाई गई हैं। इनमें पुलिस की पूर्व जोन, पश्चिम जोन, दक्षिण जोन और मानेसर जोन की एक-एक कंपनी शामिल है। पांचवीं कंपनी पुलिस उपायुक्त मुख्यालय गुरुग्राम के अधीन काम करेगी। जरूरत पडने़ पर इन कंपनियों को जिले के किसी भी हिस्से में तुरंत तैनात किया जा सकेगा। हर लॉ-एंड-ऑर्डर कंपनी में 107 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इस तरह कुल 500 से अधिक पुलिसकर्मी इन कंपनियों में शामिल हैं। प्रत्येक कंपनी का नेतृत्व एसीपी रैंक का अधिकारी कंपनी कमांडर के रूप में करेगा, जबकि इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी असिस्टेंट कमांडर बनकर संचालन और समन्वय देखेगा। पुलिस के अनुसार इन कंपनियों का मुख्य काम अराजक स्थिति, धरना-प्रदर्शन, भीड़ नियंत्रण, साम्प्रदायिक तनाव, वीआईपी ड्यूटी, आपदा प्रबंधन और अन्य विशेष परिस्थितियों में तुरंत रिस्पांस देना है। प्रशिक्षित और संगठित स्वरूप में काम करने वाली ये कंपनियां कानून व्यवस्था भंग करने वाले हुड़दंगियों से सख्ती से निपटेंगी। गुरुग्राम पुलिस आयुक्त शिबास कबिराज के मुताबिक, भविष्य की जरूरतों और बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए पांच और लॉ-एंड-ऑर्डर कंपनियां गठित करने की योजना है। इनके बनने के बाद जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने, आपातकाल में त्वरित कार्रवाई करने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता और बढ़ेगी।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

बाजार में दमदार परफॉर्मेंस और लंबी बैटरी लाइफ वाले लैपटॉप उपलब्ध

नई दिल्ली

वर्तमान समय में भारतीय बाज़ार में ऐसे बेहतरीन बजट लैपटॉप उपलब्ध हैं जो छात्रों को पढ़ाई और हैवी सॉफ्टवेयर चलाने के लिए एकदम सही हैं। छात्रों के लिए इन लैपटॉप्स में इंटेल कोर आई3/आई5 और एएमडी राइजन सीरीज के लेटेस्ट प्रोसेसर दिए गए हैं, जो बिना किसी लैग के स्मूथ मल्टीटास्किंग सुनिश्चित करते हैं।सुपरफास्ट स्पीड के लिए पारंपरिक हार्ड डिस्क की जगह सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) का उपयोग किया गया है, जिससे भारी कोडिंग ऐप्स और कंपाइलर्स कुछ ही सेकेंड्स में बूट हो जाते हैं। कोडिंग के लंबे सेशन्स और कॉलेज के प्रोजेक्ट्स के दौरान बार-बार चार्जिंग की झंझट को खत्म करने के लिए, इनमें दमदार बैटरी लाइफ मिलती है, जो आसानी से पूरे दिन का बैकअप प्रदान कर सकती है। ऑनलाइन क्लासेस और कोडिंग इंटरफेस को ध्यान में रखते हुए, इन लैपटॉप्स में एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले भी मौजूद है। यह छात्रों को आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद करता है। इन विकल्पों में आसुस वीवोबुक एस16 (असुस वीवोबुक एस 16) एक प्रमुख उदाहरण है। यह एक प्रीमियम और आधुनिक एआई-संचालित पतला और हल्का लैपटॉप है, जिसमें इंटेल कोर अल्ट्रा 5 प्रोसेसर और इंटेल एआई बूस्ट एनपीयू लगा है। यह कोडिंग, मल्टीटास्किंग और एआई-आधारित ऐप्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन देता है। इसका शानदार कूल सिल्वर मैटेलिक फिनिश और ओएलईडी (आलेड) डिस्प्ले इसे स्टाइल और परफॉर्मेंस का बेहतरीन मेल बनाता है, जिसका वजन सिर्फ 1.7 किलोग्राम है।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।न भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ । सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट आईटी शेयरों में रही। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 607 अंक टूटकर 76,802 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी में भी 154 अंकों की गिरावट रही, ये 24,013 के स्तर पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी इंडेक्स 5.8 फीसदी नीये आया। इसका कारण ये रहा कि उद्योग जगत की अग्रणी कंपनी एक्सेंचर ने तिमाही बिक्री का पूर्वानुमान वॉल स्ट्रीट के अनुमानों से कम बताया था। । इसके अलावा निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ा है।

बुधवार को मामूली खरीदारी करने के बाद, विदेशी निवेशकों ने गुरुवार को फिर से कैश मार्केट में 1,025 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। जिससे भी बाजार पर दवाब पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ शुरु हुआ। सुबह सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 76,706.86 पर आ गया। वहीं निफ्टी 191.45 अंक गिरकर 23,976.55 पर कारोबार कर रहा था।

बाजार में इस गिरावट का कारण एक्सेंचर द्वारा जारी कमजोर राजस्व अनुमानों के बाद वैश्विक स्तर पर आईटी कंपनियों की ग्रोथ आउटलुक पर सवाल उठने लगे, जिसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों पर देखा गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव आईटी सेक्टर पर रहा, जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स में करीब 6 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई।

इस गिरावट में दिग्गज आईटी कंपनियों जैसे इंफोसिस, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर सबसे आगे रहे, जिन्होंने निवेशकों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। व्यापक बाजार में भी कमजोरी का माहौल रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे थे।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरुरत, आरबीआई की वीआरअर नीलामी सुस्त

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली।

यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो।

18 जून तक उपलब्ध । । नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

टर्टलमिंट आईपीओ को पहले दिन मिला 45 फीसदी अभिदान

आईपीओ 23 जून को होगा बंद, योग्य संस्थागत खरीदारों की हिस्सेदारी सर्वाधिक भरी

नई दिल्ली

टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को बोली के पहले दिन कुल 45 प्रतिशत अभिदान प्राप्त हुआ। इस दौरान योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की तरफ से सबसे अधिक प्रतिक्रिया देखने को मिली। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी द्वारा पेशकश किए गए 3.29 करोड़ शेयरों के मुकाबले 1.48 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। क्यूआईबी श्रेणी में 73 प्रतिशत अभिदान मिला, जबकि खुदरा निवेशकों के कोटे को 29 प्रतिशत अभिदान मिला। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की हिस्सेदारी सिर्फ एक प्रतिशत ही भर पाई, जो अक्सर पहले दिन धीमी रहती है। 883 करोड़ रुपये का यह आईपीओ 23 जून को बंद होगा। कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम के लिए 144-152 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।जिससे ऊपरी स्तर पर इसका मूल्यांकन 4,500 करोड़ रुपये से अधिक बैठता है। इससे पहले, टर्टलमिंट ने गुरुवार को एंकर निवेशकों से 397.20 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस आईपीओ में 660.72 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा लगभग 221.95 करोड़ रुपये मूल्य के 1.46 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

बॉन्ड बाजार की शॉर्ट-टर्म खुशी पर आरबीआई का ब्रेक! महंगाई बनी चिंता

विदेशी निवेश ने बढ़ाई रौनक, पर कम अवधि वाले बॉन्ड की तेज़ी को खतरा

नई दिल्ली

विदेशी निवेशकों को लुभाने के सरकार के हालिया प्रयासों ने बॉन्ड बाजार में जबरदस्त उछाल ला दिया है, खासकर कम अवधि वाले सरकारी बॉन्ड में। हालांकि यह उत्साह अल्पकालिक साबित होसकता है क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही बाजार से अतिरिक्त नकदी को सोखने के लिए कदम उठा सकता है। बढ़ती महंगाई की चिंताएं और बैंकिंग सिस्टम में अनुमानित भारी अधिशेष नकदी, आरबीआई को सख्ती बरतने पर मजबूर कर सकती हैं,जिससे विदेशी निवेशकों की उम्मीदों पर पानी फिरने और बॉन्ड यील्ड में गिरावट पर ब्रेक लगने की आशंका है। 5 जून को सरकार द्वारा विदेशी निवेशकों के लिए बॉन्ड निवेश को आसान बनाने के बाद से, विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप, पांच साल वाले सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.49 फीसदी तक गिर गई, जो बॉन्ड की बढ़ती कीमतों का संकेत है। सरकार ने रुपये को मजबूत करने और विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष जमा योजनाओं और सरकारी कंपनियों को विदेशी बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाने की छूट जैसे कई अन्य कदम भी उठाए हैं। जिससे लगभग 80 अरब डॉलर के निवेश का अनुमान है। हालांकि, इस तेजी पर अब भारतीय रिजर्व बैंक का रुख भारी पड़ सकता है। आरबीआई के लिए महंगाई एक बड़ी चिंता बनकर उभरी है।

मई में थोक महंगाई दर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई है और कमजोर मानसून की आशंकाएं कीमतों पर और दबाव डाल सकती हैं। बैंकिंग सिस्टम में आने वाले महीनों में 8 लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त नकदी पहुंचने

का अनुमान है, जिसे रोकने के लिए आरबीआई सख्त कदम उठा सकता है।डीबीएस बैंक ट्रेजरी के प्रमुख अे धिकारी के अनुसार, शॉर्ट टर्म बॉन्ड में अब और तेजी की गुंजाइश कम है। आरबीआई रिवर्स रेपो या सीआरआर बढ़ाकर बाजार से पैसा खींच सकता है, जिससे पांच साल वाले बॉन्ड की यील्ड 6.50 फीसदी के आसपास बनी रह सकती है।

फिलहाल, बैंकिंग सिस्टम में नकदी का अधिशेष घटकर 29,400 करोड़ रुपये रह गया है, लेकिन महीने के अंत तक सरकारी खर्च और आरबीआई के लाभांश भुगतान के कारण यह फिर बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में कुछ विशेषज्ञ इस साल के अंत तक आरबीआई द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना भी जता रहे हैं, जो बॉन्ड बाजार पर अतिरिक्त दबाव डालेगा और विदेशी निवेशकों के लिए कम अवधि वाले बॉन्ड में निवेश को कम आकर्षक बना सकता है।

5 दिन की हरियाली के बाद शुयर बाजार धड़ाम...आईटी स्टॉक्स में भारी गिरावट

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लगातार पांच कारोबारी सत्रों से तेजी से निवेशकों की संपत्ति में जहां बड़ा इजाफा हुआ था, वहीं इस सप्ताह का आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार आईटी सेक्टर के निवेशकों के लिए किसी बुरे सपने जैसा साबित हुआ। भारत की दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयर ताश के पत्तों की तरह बिखर गए। इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे बड़े और भरोसेमंद शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। इस पूरी तबाही के पीछे वजह भारत की कोई घरेलू घटना नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी कंसल्टिंग कंपनी एक्सेंचर की एक सख्त चेतावनी है। एक्सेंचर के कमजोर आउटलुक ने निवेशकों को बुरी तरह डरा दिया है, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स 6.5 फीसदी तक गोता लगा गया और बाजार से कुछ ही घंटों में 1,25,981 करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

दरअसल, ग्लोबल दिग्गज कंपनी एक्सेंचर ने अपने पूरे साल की कमाई (रेवेन्यू ग्रोथ) का अनुमान घटा दिया है। पहले कंपनी को 3 से 5 प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 प्रतिशत कर दिया गया है। कंपनी ने चौथी तिमाही के लिए भी कमजोर आंकड़े पेश किए हैं। शेयर बाजार पूरी तरह से भविष्य की उम्मीदों पर चलता है। जब एक्सेंचर जैसी बड़ी कंपनी को नए ऑर्डर मिलने में सुस्ती दिख रही है, तो निवेशकों को यह डर सताने लगा है कि इसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के बिजनेस पर भी पड़ेगा। इसी खौफ के चलते निवेशकों ने अपने शेयर धड़ाधड़ बेचे।इंफोसिस सबसे ज्यादा पस्त, अन्य दिग्गज कंपनियों का भी बुरा हालइस भारी बिकवाली का असर मुख्य बाजार यानी निफ्टी 50 पर कम, लेकिन आईटी सेक्टर पर कहीं ज्यादा दिखा। मुख्य बाजार केवल 1 फीसदी गिरा, लेकिन आईटी शेयरों ने बाजार की पूरी तस्वीर बिगाड़ दी। इस मंदी में सबसे तगड़ा झटका इंफोसिस को लगा, जिसका शेयर 8.34 प्रतिशत तक टूट गया। यह गिरावट यहीं नहीं रुकी। एम्फेसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह डर सिर्फ भारतीय बाजार तक सीमित नहीं रहा। अमेरिकी बाजार में भी इंफोसिस और विप्रो के एडीआर लगभग 10 फीसदी तक टूट गए। कॉग्निजेंट 10 फीसदी गिरा, वहीं खुद एक्सेंचर का शेयर 17 फीसदी से ज्यादा क्रैश हो गया।

रुपया बढ़त पर बंद

इस बीच, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे कमजोर होकर 94.38 पर खुला, जबकि गुरुवार को यह 94.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 7 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.20 पर पहुंच गया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में तेजी आने की उम्मीद के बीच घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अनुकूल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार से रुपया आज सकारात्मक रुख के साथ खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में मजबूती के साथ बढ़कर 94.20 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। ये इसके पिछले बंद भाव से 20 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 10 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ 100.92 पर रहा।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटाः रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली ।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई।

ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

पांच दिन की ऐतिहासिक तेजी, सेंसेक्स ने पार किया 77 हजार का आंकड़ा

मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया। सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया। सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया। बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी। गुरुवार को शुरुआती नरमी के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 254 अंकों की शानदार तेजी के साथ 77,409 के एक और ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

नोवो नॉर्डिस्क के सिस्टम में सेंधमारी, हैकर्स ने मांगी 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती

फार्मा कंपनी ने मामले को गंभीरता से लिया, जांच जारी

मुंबई ।

फार्मास्युटिकल दिग्गज नोवो नॉर्डिस्क कथित साइबर हमले की चपेट में आ गई है। हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया है। हमलावरों ने कंपनी का 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है। डेनमार्क की फार्मास्युटिकल कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने इस दावे पर संज्ञान लिया है कि उसके सिस्टम से अवैध रूप से डेटा कॉपी करके ऑनलाइन प्रकाशित किया गया है।

ऐसी खबरें सामने आई हैं कि एक हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया। हैकरों ने 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है।

नोवो नॉर्डिस्क ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रही है और अपने प्रमुख प्लेटफॉर्म पर सामान्य परिचालन बनाए रखते हुए लगातार अपने सिस्टम की निगरानी कर रही है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इस घटना को लेकर वह संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है और दुनिया भर में मरीजों को दवाओं तथा सहायक सेवाओं की अबाध डिलीवरी सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपने सिस्टम की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हालांकि, नोवो नॉर्डिस्क ने कथित सेंधमारी के पैमाने या प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है। कंपनी का यह बयान उन चिंताओं के बीच आया है कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को फिरौती के लिए निशाना बनाया जा रहा है, खासकर स्वास्थ्य सेवा और दवा जैसे अहम क्षेत्रों में। इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुसंधान, रोगी-संबंधित जानकारी और स्वामित्व वाले डेटा को अक्सर मूल्यवान लक्ष्य माना जाता है। हाल के समय में डेटा एक्सटॉर्शन (डेटा चुराकर फिरौती मांगने) की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, जहां हमलावर बड़े स्तर पर डेटा चोरी का दावा करके फर्मों पर फिरौती देने का दबाव बनाते हैं।

कंपनियों द्वारा अक्सर यह चेतावनी दी जाती है कि जब ऐसे दावे सार्वजनिक किए जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि उनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि की गई हो।

नोवो नॉर्डिस्क ने इस कथित घटना के बारे में कोई तकनीकी जानकारी नहीं दी है, माना जा रहा है कि संबंधित अधिकारियों और साइबर सुरक्षा टीमों की मदद से इसकी जांच चल रही है। नोवो नॉर्डिस्क 1994 से भारत में सक्रिय है और इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। भारत में कंपनी के 1,600 से अधिक कर्मचारी हैं।

मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों के लिए पेश किया स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान

नई दिल्ली

अपने ग्राहकों के लिए मारुति सुजुकी कंपनी ने स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान नामक एक नई और सुविधाजनक रखरखाव योजना पेश की है। यह योजना निजी और व्यावसायिक दोनों प्रकार के वाहन मालिकों के लिए उपलब्ध है।

इस पहल का उद्देश्य वाहन मालिकों को सेवा और रखरखाव से जुड़े खर्चों पर बेहतर नियंत्रण देना, भविष्य में बढ़ने वाली सेवा लागतों से बचाना और वाहन स्वामित्व के अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाना है।

ग्राहक चाहें तो नया वाहन खरीदते समय ही इसे अपना सकते हैं, वहीं पहले से वाहन उपयोग कर रहे ग्राहक भी देशभर में स्थित किसी भी अधिकृत मारुति सुजुकी सेवा केंद्र से इसे खरीद सकते हैं।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका लचीलापन है। वाहन मालिक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार विभिन्न प्रकार के सेवा पैकेज चुन सकते हैं।

इनमें केवल श्रम शुल्क वाले पैकेज, पुर्जों और श्रम दोनों को शामिल करने वाले पैकेज, व्यावसायिक वाहनों के लिए विशेष रखरखाव सेवाएं तथा इंजन ऑयल और शीतलक द्रव से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं।

कुछ चुनिंदा पुर्जों जैसे क्लच और ब्रेक के लिए घिसावट और सामान्य उपयोग से होने वाले नुकसान की सुरक्षा का विकल्प भी उपलब्ध है।

कंपनी के अनुसार, इस योजना का लाभ लेने वाले ग्राहकों को श्रम शुल्क में कम से कम दस प्रतिशत तक की बचत हो सकती है

और विभिन्न पुर्जों पर भी अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिल सकता है।

चूंकि यह एक पूर्व भुगतान आधारित योजना है,

इसलिए ग्राहक सेवा पैकेज खरीदते समय ही भविष्य के रखरखाव खर्च को तय कर सकते हैं, जिससे आने वाले वर्षों में सेवा शुल्क बढ़ने की स्थिति में भी उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

निजी वाहन मालिक दो वर्ष या बीस हजार किलोमीटर से लेकर दस वर्ष या एक लाख किलोमीटर तक के विकल्प चुन सकते हैं, जबकि व्यावसायिक वाहनों के लिए यह सुविधा दस वर्ष या एक लाख साठ हजार किलोमीटर तक उपलब्ध होगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा है कि यह योजना ग्राहकों को अधिक विकल्प, बेहतर सुविधा और खर्चों में पारदर्शिता उपलब्ध कराएगी, जिससे वाहन स्वामित्व को आसान बनाने में मदद मिलेगी।

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

ललित गर्ग

> योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ह्यचित्तवृत्ति निरोधह्ण कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है।

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को 'चित्तवृत्ति निरोध' कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही 'विश्वगुरु भारत' की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

संपादकीय

सेहत पर भारी विकास

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दशार्ती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दशार्ता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव ।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्षस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

राम-राम जपना,चढ़ावे का मालअपना ?

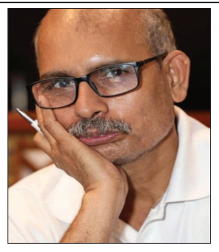

विनोद कुमार सिंह

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं,भाषाई विविधता या सांस्कृतिक विरासत से नहीं होती,बल्कि उसकी गहरी धार्मिक चेतना और आस्था से भी होती है।यहाँ मंदिर केवल पूजा- अर्चना के स्थल नहीं हैं,बल्कि समाज की भावनाओं,विश्वासों और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्र भी हैं। करोड़ों लोग अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए मंदिरों में दान,दक्षिणा,चढ़ावा और सेवा अर्पित करते हैं।यह दान केवल आर्थिक लेन-देन नहीं होता,बल्कि भक्त और भगवान के बीच विश्वास का एक आध्यात्मिक सेतु होता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक संस्था,ट्रस्ट या मंदिर के प्रबंधन को लेकर प्रश्न उठते हैं,तब मामला केवल प्रशासनिक या आर्थिक नहीं रह जाता,बल्कि सीधे- सीधे आस्था,विश्वास और जवाबदेही से जुड़ जाता है।

ऐसे समय में लोकजीवन में प्रचलित एक पुरानी कहावत अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है- 'राम-राम जपना,चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत किसी धर्म, देवता या आस्था का उपहास नहीं करती,बल्कि उन प्रवृत्तियों पर व्यंग्य करती है जो धर्म और नैतिकता की बात तो करती हैं, किंतु व्यवहार में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से दूर दिखाई देती हैं। आज जब अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है,तब यह कहावत कुछ असहज किंतु आवश्यक प्रश्न भी खड़े करती है।अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक परियोजना नहीं था।यह स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक था।दशकों तक चले संघर्ष,सामाजिक विमर्श, राजनीतिक बहसों और न्यायिक प्रक्रिया के बाद जब मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, तब देश के कोने-कोने से लोगों ने इसे अपनी व्यक्तिगत आस्था का विषय मानकर सहयोग दिया। गाँवों से लेकर महानगरों तक,भारत से लेकर विदेशों तक,करोड़ों लोगों ने आर्थिक और भावनात्मक रूप से इस अभियान में भागीदारी की।

किसी ने एक रुपया दिया,किसी ने लाखों रुपये का दान किया।अनेक श्रद्धालुओं ने सोना,चाँदी,हीरे,मोती और बहुमूल्य रत्न अर्पित किए। कई परिवारों ने पीढ़ियों से संभालकर रखे गए आभूषण रामलला को समर्पित कर दिए। महिलाओं ने अपने विवाह के गहने तक दान कर दिए।बुजुर्गों ने अपनी जीवनभर की बचत का हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित किया। यह केवल आर्थिक योगदान नहीं था,बल्कि श्रद्धा,समर्पण और विश्वास की अभिव्यक्ति थी।

राम मंदिर आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई दी। गरीब,मध्यमवर्गीय और संपन्न - सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दिया।यही कारण है कि मंदिर से जुड़ा प्रत्येक संसाधन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास का प्रतीक माना जाता है।लोगों ने यह मानकर दान दिया कि उनका योगदान भगवान राम के भव्य मंदिर और उससे जुड़े धार्मिक-सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति में लगेगा।भारतीय संस्कृति में दान और चढ़ावे की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।मंदिरों को सदियों से समाज ने केवल पूजा स्थलों के रूप में नहीं,बल्कि लोककल्याण के केंद्र के रूप में भी देखा है।इतिहास गवाह है कि अनेक मंदिरों ने शिक्षा,चिकित्सा,सामाजिक सहायता और सांस्कृतिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रद्धालु जब मंदिर में चढ़ावा चढ़ाते हैं,तब वे केवल धन नहीं देते, बल्कि संस्था के प्रति अपना विश्वास भी सौंपते हैं।यही विश्वास किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है।यही कारण है कि जब चढ़ावे में प्राप्त बहुमूल्य वस्तुओं, आभूषणों और रत्नों के संबंध में किसी प्रकार की अनियमितता,चोरी अथवा अभिलेखीय विसंगतियों की चर्चा सामने आती है,तो समाज में स्वाभाविक रूप से चिंता उत्पन्न होती है।पिछले कुछ समय से विभिन्न माध्यमों में ऐसी खबरें और आरोप चर्चा का विषय बने कि श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई कुछ बहुमूल्य वस्तुओं के संबंध में प्रश्न उठे हैं।कुछ शिकायतों में यह आशंका व्यक्त की गई कि चढ़ावे में प्राप्त मूल्यवान वस्तुओं के रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति को लेकर पारदर्शिता अपेक्षित स्तर की नहीं है।इन चचाओं ने मामले को सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया और जाँच एजेंसियों की संभावित भूमिका को लेकर भी प्रश्न उठने लगे।यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी आरोप को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप,जाँच और न्यायिक निष्कर्ष तीन अलग-अलग चरण होते हैं।केवल आरोपों के आधार पर किसी संस्था या व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही जब मामला करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हो,तब उठ रहे प्रश्नों को केवल अफवाह कहकर खारिज कर देना भी उचित नहीं माना जा सकता।जनविश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों अनिवार्य हैं।राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि राष्ट्रीय भावना, सांस्कृतिक चेतना और सभ्यतागत स्मृति का प्रतीक है।इसीलिए उससे जुड़े प्रत्येक निर्णय,प्रत्येक व्यवस्था और प्रत्येक संसाधन पर समाज की निगाह रहती है। श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि उनके द्वारा समर्पित धन और बहुमूल्य वस्तुओं का संरक्षण किस प्रकार किया जा रहा है,उनका लेखा-जोखा कैसे रखा जा रहा है,क्या स्वतंत्र ऑडिट की व्यवस्था है,क्या समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाती है तथा क्या चढ़ावे का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित और सत्यापित रूप में उपलब्ध है।ये प्रश्न किसी धर्म, व्यक्ति या संस्था विशेष के विरोध में नहीं हैं।वास्तव में ये प्रश्न उन करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा से जुड़े हैं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण को अपना व्यक्तिगत और सांस्कृतिक दायित्व मानकर सहयोग दिया था।लोकतांत्रिक समाज में पारदर्शिता को अविश्वास का प्रतीक नहीं,बल्कि विश्वास को और अधिक मजबूत करने का माध्यम माना जाता है।यहीं पर राम मंदिर निर्माण और उसके संचालन से जुड़ी प्रबंधन व्यवस्था तथा प्रबंधन समिति की भूमिका चर्चा के केंद्र में आ जाती है।किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान की विश्वसनीयता केवल उसकी भव्यता से निर्धारित नहीं होती।उसके प्रशासनिक मानक,वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।यदि प्रबंधन व्यवस्था पारदर्शी,व्यवस्थित और उत्तरदायी दिखाई देती है, तो श्रद्धालुओं का विश्वास स्वतः बढ़ता है।यदि कहीं अस्पष्टता या सूचना का अभाव दिखाई देता है,तो प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है।

जब किसी संस्था को जनता का व्यापक समर्थन और संसाधन प्राप्त होते हैं,तब उसके साथ जवाबदेही भी जुड़ जाती है।श्रद्धालु यह अपेक्षा करते हैं कि मंदिर से जुड़े सभी आर्थिक और प्रशासनिक कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित हों।यदि कहीं कोई शिकायत या संदेह उत्पन्न होता है, तो उसका समाधान तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर किया जाए। यही किसी भी प्रतिष्ठित संस्था की साख को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका है।भारत का संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था यह स्पष्ट करती है कि कोई भी संस्था कानून से ऊपर नहीं है।चाहे वह धार्मिक संस्था हो,सामाजिक संगठन हो,राजनीतिक दल हो अथवा कोई बड़ी कॉरपोरेट इकाई -सभी के लिए कानून समान है। इसलिए यदि किसी प्रकार की शिकायत सामने आती है,तो जाँच एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।हालाँकि जाँच एजेंसियों की भूमिका को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।किसी संस्था के विरुद्ध जाँच होना अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं होता।जाँच का उद्देश्य दोषी ठहराना नहीं,बल्कि सत्य तक पहुँचना होता है।यदि सब कुछ व्यवस्थित और पारदर्शी है, तो जाँच संस्था की विश्वसनीयता को और मजबूत कर सकती है।यदि कहीं कोई त्रुटि या अनियमितता है, तो उसका सामने आना भी आवश्यक है।यही कानून के शासन का मूल आधार है।दुर्भाग्य से समाज में अक्सर दो चरम स्थितियाँ देखने को मिलती हैं।एक वर्ग बिना किसी निष्कर्ष के ही आरोपों को सत्य मान लेता है।दूसरा वर्ग केवल भावनाओं के आधार पर हर प्रश्न को साजिश घोषित कर देता है।दोनों ही दृष्टिकोण स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं हैं।सत्य तक पहुँचने का मार्ग तथ्यों,प्रमाणों और निष्पक्ष जाँच से होकर गुजरता है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति में मयार्दा,न्याय और सत्य के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं।रामराज्य की अवधारणा केवल धार्मिक भावना नहीं,बल्कि सुशासन का आदर्श भी है।रामराज्य का अर्थ ऐसी व्यवस्था से है जहाँ शासन पारदर्शी हो,न्याय निष्पक्ष हो और जनता का विश्वास सर्वोपरि हो। वहाँ राजा स्वयं भी नैतिक जवाबदेही से मुक्त नहीं था। यही कारण है कि भगवान राम आज भी केवल धार्मिक श्रद्धा के विषय नहीं,बल्कि आदर्श शासन और नैतिक नेतृत्व के प्रतीक माने जाते हैं।यदि राम के नाम पर निर्मित किसी संस्था या व्यवस्था में पारदर्शिता की माँग उठती है,तो उसे विरोध के रूप में नहीं,बल्कि रामराज्य के आदर्शों के अनुरूप सुधार की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।आखिर मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन स्वयं सत्य,मयार्दा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है।इतिहास गवाह है कि धर्म का उद्देश्य सदैव समाज को नैतिक दिशा देना रहा है।मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं ने शिक्षा, सेवा, समाज-सुधार तथा जनकल्याण के अनेक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारतीय समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का एक बड़ा कारण उनकी सेवा-परंपरा भी रही है।इस कारण जब किसी प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था पर कोई प्रश्न उठता है, तो उसका प्रभाव केवल उस संस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास को भी प्रभावित करता है।समय-समय पर कुछ लोगों ने धर्म की आड़ में अपने निजी हितों को साधने का प्रयास भी किया है। ऐसे लोगों के कारण न केवल संस्थाओं की छवि प्रभावित होती है,बल्कि वास्तविक धार्मिक मूल्यों को भी क्षति पहुँचती है। यही कारण है कि समाज में यह कहावत जन्मी–'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत आज भी इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि यह मानव स्वभाव की उस कमजोरी की ओर संकेत करती है, जिसमें व्यक्ति धार्मिकता का प्रदर्शन तो करता है, किंतु उसके आचरण में ईमानदारी और जवाबदेही का अभाव होता है। यदि किसी धार्मिक संस्था में चढ़ावे या दान से संबंधित कोई अनियमितता होती है,तो वह केवल आर्थिक अपराध नहीं रह जाता। वह श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ भी विश्वासघात बन जाता है।

विश्वास किसी भी धार्मिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है। सोना-चाँदी और बहुमूल्य रत्नों की कीमत बाजार तय करता है,किंतु श्रद्धालुओं की भावनाओं की कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। इसलिए यदि कभी किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो,तो उसका समाधान शीघ्र,निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से होना चाहिए।

आज तकनीक ने पारदर्शिता के अनेक साधन उपलब्ध करा दिए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड,ऑनलाइन ऑडिट,वीडियो निगरानी,संपत्ति का सार्वजनिक अभिलेखीकरण, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्टिंग जैसी व्यवस्थाएँ किसी भी धार्मिक संस्था की विश्वसनीयता को मजबूत कर सकती हैं।राम मंदिर जैसे विश्वस्तरीय धार्मिक केंद्र में ऐसी व्यवस्थाएँ केवल प्रशासनिक औपचारिकताएँ नहीं,बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास की सुरक्षा का माध्यम हैं।समय की माँग है कि धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बोझ नहीं,बल्कि प्रतिष्ठा का आधार माना जाए। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही बड़ी जवाबदेही भी होगी। यह सिद्धांत लोकतंत्र, प्रशासन और धार्मिक संस्थाओं - सभी पर समान रूप से लागू होता है।

आवश्यकता इस बात की है कि आस्था और जवाबदेही को एक-दूसरे का विरोधी नहीं,बल्कि सहयोगी माना जाए।जहाँ पारदर्शिता होगी, वहाँ संदेह कम होंगे। जहाँ जवाबदेही होगी, वहाँ विश्वास मजबूत होगा।जहाँ विश्वास मजबूत होगा,वहाँ आस्था की गरिमा स्वतः सुरक्षित रहेगी।

अंततः 'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना' केवल एक व्यंग्यात्मक कहावत नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला दर्पण है। यह हमें याद दिलाती है कि धर्म का वास्तविक आधार ईमानदारी, सत्य,सेवा और नैतिकता है।राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है,इसलिए उससे जुड़ी हर व्यवस्था को संदेह से ऊपर, पारदर्शी और उत्तरदायी होना चाहिए।यदि कहीं कोई शिकायत है,तो उसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।यदि कोई आरोप है,तो उसका तथ्यात्मक परीक्षण होना चाहिए। यदि सब कुछ सही है, तो उसे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाना चाहिए।इससे न केवल विवादों का समाधान होगा,बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

भगवान राम केवल श्रद्धा के नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मयार्दा के भी प्रतीक हैं।राम के मंदिर की वास्तविक शक्ति उसकी भव्यता, ऊँचे शिखरों या बहुमूल्य चढ़ावों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में है जो करोड़ों लोगों ने उसमें समर्पित किया है।उस विश्वास की रक्षा करना ही आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।यही रामभक्ति की कसौटी है,यही सुशासन की पहचान है और यही वह मार्ग है जिस पर चलकर आस्था,पारदर्शिता और जवाबदेही तीनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विटकॉफ का दावा- ईरान देगा परमाणु ठिकानों की जांच की इजाजत, मोजतबा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ सीधी वार्ता का समर्थन किया है। सरकारी मीडिया में पढ़े गए बयान में उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाली आमने-सामने की बातचीत का मतलब यह नहीं होगा कि ईरान विरोधी पक्ष की बात मान लेगा। यह बयान अमेरिका-ईरान के बीच हाल ही में हुए उस समझौते पर उनकी पहली प्रतिक्रिया है, जिसमें दोनों देशों ने तनाव कम करने की दिशा में कदम उठाए हैं। खामेनेई लंबे समय से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। माना जा रहा है कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमले में वे घायल हुए थे। वहीं, अमेरिकी सेना ने ईरानी नौवहन पर लगी नाकाबंदी हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने अमेरिका के सांसदों को एक बंद कमरे में में बताया कि ईरान संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था को अपने परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करने के लिए आमंत्रित करेगा। इस जानकारी के अनुसार, ईरान यह भी अनुमति देगा कि उसकी संवर्धित परमाणु सामग्री कहां-कहां है, इसका पता लगाया जाए और उसकी पहचान की जाए। यह बैठक कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सदस्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी समितियों के सदस्यों के साथ हुई। बैठक में बताया गया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते में कोई अतिरिक्त गोपनीय समझौता शामिल नहीं था। लेकिन ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बीच एक अलग पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र के तहत ईरान ने आईएईए को अपने परमाणु स्थलों के निरीक्षण का आमंत्रण दिया है। इस बात का खुलासा भी विटकॉफ ने बैठक में किया। विटकॉफ ने यह भी बताया कि यह पत्र आईएईए प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी को भेजा जाएगा, जिससे अमेरिकी परमाणु निरीक्षकों को भी तेहरान में जांच करने की अनुमति मिल सकेगी।

वीवाटेक समिट में भारत पर रहा फोकस': विक्रम मिसरी बोले- 15 जुलाई से शुरू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता

फ्रांस, एजेंसी। पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी महाकुंभ 'वीवाटेक' में इस बार भारत का जबरदस्त जलवा देखने को मिला। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गुरुवार को एक विशेष प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया। इस समिट में भारत 'एआई कंट्री ऑफ फोकस' और 'एआई पार्टनर कंट्री' के रूप में शामिल हुआ। भारत ने इस मंच का उपयोग देश की तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को दुनिया के सामने रखने के लिए किया। इस समिट में वैश्विक तकनीकी लीडर्स, स्टार्टअप्स और निवेशक एक साथ जुटे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रधानमंत्री के फ्रांस दौरे पर जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तकनीक के क्षेत्र में भारत में हो रहे नए आविष्कारों को सामने रखा। विदेश सचिव के अनुसार, पीएम मोदी ने एआई को लेकर भारत के दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक क्रांतिकारी तकनीक है और इसका मुख्य उद्देश्य हमेशा मानवता की सेवा करना होना चाहिए। मानव को तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। पीएम मोदी ने टेक कंपनियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार नियमों को आसान बना रही है और व्यापार को बढ़ावा दे रही है।

प्रिय मित्र नरेंद्र, फ्रांस आपसे प्यार करता है': मैक्रों ने हिंदी बोलकर बढ़ाई देश की शान, 2027 में आएंगे भारत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़कर एक अनोखा काम किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिंदी में विदाई संदेश जारी किया है। पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा खत्म होने पर यह वीडियो संदेश आया। मैक्रों ने हिंदी बोलकर दोनों नेताओं की गहरी दोस्ती को दुनिया के सामने दिखाया है। इसके साथ ही दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को एक नया रूप मिला है। एलिसी पैलेस ने इस खास वीडियो को रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राष्ट्रपति मैक्रों बेहद अपनेपन से हिंदी बोलते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'प्रिय मित्र नरेंद्र, मुझे बहुत खुशी हुई आपका नीस, एवियन और पेरिस में स्वागत करके। फ्रांस और भारत की दोस्ती अमर रहे।' यह लाइन बोलने के तुरंत बाद मैक्रों मुस्कुरा दिए। फिर उन्होंने अंग्रेजी में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह सही था।' इसके बाद उन्होंने दिल की बात की। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस आपसे प्यार करता है...आप मेरे सच्चे दोस्त हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस गए थे। इस दौरान नीस शहर के 'विला केरीलोस' में दोनों नेताओं के बीच बड़ी बैठक हुई। बैठक का मुख्य मकसद दोनों देशों के बीच विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। इस मुलाकात में रक्षा क्षेत्र में मिलकर हथियार बनाने पर सहमति बनी।

यूएन से आई चौंकाने वाली रिपोर्ट: युद्धों में बच्चों पर टूटा कहर, पहली बार सरकारी सेनाएं बनीं सबसे बड़ी दोषी

न्यूयार्क, एजेंसी। संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में करीब 25,000 बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण और जबरन लड़ाई में भर्ती किए जाने जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 30 वर्षों में पहली बार सरकारी सेनाएं बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाई गई हैं।

लगातार चौथे साल बढ़े बच्चों के खिलाफ अपराध : UN की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ दर्ज गंभीर उल्लंघनों की संख्या लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है। वर्ष 2025 में ऐसे 38,558 मामले सत्यापित किए गए, जिनमें बच्चों की हत्या, अपहरण, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले तथा मानवीय सहायता रोकने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

24 हजार से ज्यादा बच्चे हुए प्रभावित : रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल 24,174 बच्चे इन घटनाओं से प्रभावित हुए। इनमें लगभग एक-तिहाई लड़कियां थीं। कई बच्चों को एक साथ कई तरह की हिंसा और अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

30 साल में पहली बार बदली तस्वीर : संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों पर होने वाले अत्याचारों की निगरानी शुरू होने के तीन दशक बाद पहली बार सरकारी बल अधिकांश गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। पहले आमतौर पर सशस्त्र विद्रोही और आतंकी समूह ऐसे मामलों में प्रमुख दोषी माने जाते थे।

इस्राइली सेना सबसे ऊपर, कांगो दूसरे नंबर पर : रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के दौरान सबसे ज्यादा 12,445 उल्लंघन इस्राइली सेना और उससे जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों के खाते में दर्ज किए गए। इसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में 4,114 मामले सामने आए। म्यांमार, सोमालिया और नाइजीरिया के विभिन्न सशस्त्र समूहों द्वारा भी 2,000 से अधिक गंभीर उल्लंघन किए गए। सूची में सूडान, दक्षिण सूडान, सीरिया और यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों का भी उल्लेख है।

बच्चों की मौत और चोट के मामलों में भी सरकारी बल आगे : रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सेनाएं 6,266 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार पाई गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। वहीं 7,958 बच्चों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

गाजा में हजारों बच्चों की मौत : संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गाजा में इस्राइल सैन्य कार्रवाई के दौरान 2,668 फ़िलिस्तीनी बच्चों की मौत हुई। इसके अलावा पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में 55 बच्चों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाजा में 4,588 अतिरिक्त बच्चों की मौत और 346 इस्राइल बच्चों के घायल होने की खबरों की जांच अभी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता : संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पैमाना बेहद चिंताजनक है और अब केवल चिंता जताने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सदस्य देशों से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे मामले : विशेषज्ञों के मुताबिक, युद्ध की बदलती प्रकृति इसकी बड़ी वजह है। अब लड़ाइयां खुले मैदानों के बजाय घनी आबादी वाले शहरों और बस्तियों में लड़ी जा रही हैं। ड्रोन, मिसाइलों और भारी विस्फोटक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से बच्चों पर खतरा और बढ़ गया है।

हजारों बच्चों को जबरन बनाया गया लड़ाका : रिपोर्ट के अनुसार, 6,607 बच्चों को जबरन भर्ती कर युद्ध में इस्तेमाल किया गया। सबसे ज्यादा मामले कांगो, नाइजीरिया, हैती, सोमालिया और कोलंबिया में दर्ज हुए।

अपहरण और यौन हिंसा भी बड़ी चिंता : संयुक्त राष्ट्र ने 5,129 बच्चों के अपहरण की पुष्टि की है। सबसे अधिक मामले नाइजीरिया, कांगो, सोमालिया, म्यांमार और मोजाम्बिक में सामने आए। वहीं 1,783 बच्चे बलात्कार और अन्य प्रकार की यौन हिंसा के शिकार हुए। ऐसे मामलों में कांगो, नाइजीरिया, सोमालिया, सूडान और हैती सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र का संदेश: बच्चों की सुरक्षा का कोई विकल्प नहीं : रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि दुनिया भर में बढ़ते संघर्षों का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि सरकारें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय तुरंत ठोस कदम नहीं उठाते, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गंभीर हो सकता है।

नाइजर की राजधानी के एयरपोर्ट पर बड़ा आतंकी हमला; 11 सैनिक, दो नागरिकों की मौत; 22 हमलावर ढेर

नियामे, एजेंसी। अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामी में स्थित मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार तड़के हथियारबंद हमलावरों ने बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में 11 सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 22 हमलावर भी मारे गए। नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमलावरों ने राजधानी के डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले को विफल कर दिया। इस दौरान 20 संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

हमले के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने की कार्रवाई : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के दौरान एयरपोर्ट क्षेत्र में गोलियों की आवाजें और विस्फोट सुनाई दिए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और एयरपोर्ट जाने वाले रास्तों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, कुछ घंटों बाद नाइजर की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन एजेंसी ने कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य रूप से जारी है और उड़ानों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। यह इस साल एयरपोर्ट पर हुआ दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले जनवरी में भी इसी एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। उस हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। तब एयरपोर्ट पर मौजूद नाइजर के ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाया गया था। डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नाइजर के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां नाइजर वायुसेना का बेस मौजूद है। साथ ही नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय भी इसी परिसर में स्थित है। विशेषज्ञों का कहना है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा जनवरी के हमले के बाद बढ़ाई गई थी, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में सक्रिय जिहादी संगठन लगातार खतरा बने हुए हैं। नाइजर, बुर्किना फासो और माली जैसे साहेल क्षेत्र के देश लंबे समय से आतंकवादी हिंसा का सामना कर रहे हैं।

2023 में तख्तापलट सत्ता में है सेना समर्थित सरकार : गौरतलब है कि नाइजर में 2023 में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना समर्थित सरकार सत्ता में है। इसके बावजूद देश में आतंकवादी हमलों और हिंसक गतिविधियों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट का सामरिक महत्व और संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय होने के कारण आतंकवादी संगठन इसे बार-बार निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

अमेरिका में गोलीबारी की तीन बड़ी घटनाओं से हड़कंप, न्यूयॉर्क से मिसिसिपी और कंसास सिटी तक तनाव

न्यूयॉर्क/मिसिसिपी/कंसास सिटी, एजेंसी। अमेरिका में एक ही दिन के दौरान हुई तीन अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, मिसिसिपी के सेनाटोबिया और मिसौरी के कंसास सिटी में हुई घटनाओं ने लोगों में दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर में गुरुवार दोपहर अचानक गोलीबारी होने से अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो लोग भीड़भाड़ वाले इलाके में आए और पिस्तौल जैसी दिखने वाली बंदूकों से फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही लोग इधर-उधर भागने लगे और कई लोग जमीन पर झुककर छिप गए। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध का पीछा किया। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह गोलीबारी ऐसे समय हुई जब एनबीए चैंपियन न्यूयॉर्क निक्स की जीत के जश्न के बाद शहर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। मिसिसिपी के छोटे से शहर सेनाटोबिया में पुलिस की गोली लगने से एक साल के बच्चे कोहेन वाइली की मौत हो गई। पुलिस एक दुकान से कथित चोरी की शिकायत पर कार्रवाई कर रही थी। पुलिस का दावा है कि संदिग्ध वाहन ने अधिकारियों को टक्कर मारने की कोशिश की, जिसके बाद एक अधिकारी ने गोली चला दी। हालांकि बच्चे की मां ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि वाहन पुलिसकर्मियों की ओर नहीं जा रहा था। घटना के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे पुलिस जवाबदेही और नस्लीय भेदभाव से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर की बेटी बर्निस किंग ने कहा कि कुछ डायपरों की कथित चोरी के मामले में एक बच्चे की जान चली जाना नैतिक विफलता है। मिसौरी के कंसास सिटी में कुछ ही मिनटों के भीतर हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक 22 वर्षीय संदिग्ध ने अलग-अलग स्थानों पर वाहनों को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं।

समझौते पर खामेनेई का पहला बयान, कहा- ट्रंप को मजबूरी में करना पड़ा एमवयू, यूएस झुका या ईरान जीता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए एक खास पोस्ट में कहा कि यह समझौता ईरान की उत्सुकता से नहीं, बल्कि अमेरिका की मजबूरी की वजह से हुआ है। खामेनेई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'जैसा कि आपको बताया गया है, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।' ईरानी अधिकारियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से काम किया था, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने ही सबसे अधिक जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही मजबूरी में आकर इसे अंजाम देने के लिए हर तरह के दबाव और तरीकों का इस्तेमाल किया।

समझौते पर थी आपत्ति, फिर भी क्यों दी मंजूरी : खामेनेई ने माना कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस समझौते को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने कहा, 'सिद्धांत के तौर पर मेरी राय अलग थी,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने ईरानी राष्ट्र और 'रेसिस्टेंस फ्रंट' (प्रतिरोध मोर्चा) के अधिकारों की रक्षा करने के ईरानी राष्ट्रपति के वादे के आधार पर अपनी मंजूरी दे दी।

अमेरिका ने सीमा लांघी तो नहीं झुकेगा ईरान : हालांकि खामेनेई ने इस पोस्य में यह भी कहा कि अगर अमेरिका तय की गई बातों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो ईरान झुकेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर अमेरिकी पक्ष हद से ज्यादा मांगें रखने की कोशिश करेगा, तो वे उन्हें नहीं मानेंगे। उन्होंने खुद को 'विनम्र सेवक' बताते हुए सीधे अपने देश को संबोधित किया और ईरानियों से तय शर्तों के पूरा होने का इंतजार करने को कहा।

वर्साय के महल में हुई ऐतिहासिक घोषणा : समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर जी7 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय के महल में आयोजित रात्रिभोज के दौरान किए गए। मैक्रों ने एक्स पर इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए समझौते को ऐसा बताया जो 'स्थायी शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज़ को फिर से खोलने की अनुमति देता है।' औपचारिक हस्ताक्षर मूल रूप से शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाले थे। तेहरान ने पुष्टि की कि जिनेवा में होने वाली नियोजित बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। इस दस्तावेज़ का औपचारिक शीर्षक 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' है। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की गई है। इस शर्तों के तहत अमेरिका ने 30 दिनों के भीतर ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने का वादा किया है। इस दौरान जहाजों की आवाजाही के युद्ध-पूर्व स्तर पर लौटने की उम्मीद है। अमेरिका अंतिम समझौता होने के 30 दिनों के भीतर ईरान के आसपास से अपनी सेना हटाने पर भी सहमत हो गया है। अपनी ओर से ईरान 60 दिनों तक बिना किसी शुल्क के वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमत हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय महिला शांति सैनिकों की सराहना, संघर्ष क्षेत्र में महिलाओं को दे रहीं नई उम्मीद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि भारतीय महिला शांति सैनिक संघर्ष क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बन रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक भारतीय महिलाएं अलग-अलग यूएन मिशनों में सेवा दे रही हैं। सुरक्षा परिषद में 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर हुई बहस में पी. हरीश ने कहा कि महिला सैनिक समुदायों में भरोसा पैदा करती हैं और खासकर महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा का एहसास दिलाती हैं। वे लैंगिक हिंसा जैसे मामलों को समझने और रोकने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक का जिक्र किया, जिन्हें हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड मिला है। इससे पहले भी दो भारतीय महिलाएं यह सम्मान पा चुकी हैं।

भारत की ऐतिहासिक पहल : भारत ने सबसे पहले लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत पूरी तरह महिला यूनिट तैनात की थी। इससे हजारों स्थानीय महिलाओं को पुलिस में शामिल होने की प्रेरणा मिली। दिल्ली में बनाए गए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र के जरिए भारत दुनिया भर की महिला सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है। पिछले साल 15 देशों की महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया, जबकि 35 देशों की महिला शांतिदूत एक सम्मेलन में शामिल हुईं।

महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : पी. हरीश ने कहा कि शांति कायम रखने के प्रयास तभी सफल होंगे जब महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने भारत में पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण और 2023 के महिला आरक्षण कानून का उदाहरण दिया। भारत में महिलाओं ने ऊंचे पदों पर भी अहम भूमिका निभाई है, जैसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी। संयुक्त राष्ट्र - महिला की प्रमुख सीमा बहौस ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण शांति स्थापित करने के सबसे प्रभावी तरीके हैं। उन्होंने बताया कि 2000 में पास किए गए प्रस्ताव के बाद यह साबित हुआ है कि महिलाओं की भागीदारी से हिंसा कम होती है और शांति लंबे समय तक टिकती है। वहीं महिला अधिकार कार्यकर्ता काव्या असोका ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कमजोर हो रहा है और सिर्फ निंदा से काम नहीं चलेगा। उन्होंने हथियारों की आपूर्ति रोकने जैसे ठोस कदम उठाने की मांग की।

अंतरिम समझौते से तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत, परमाणु मुद्दे पर कठिन फैसले टले

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने को लेकर हुए अंतरिम समझौते से ईरान को महत्वपूर्ण आर्थिक राहत मिलने जा रही है। इस 14 सूत्रीय अंतरिम समझौते ने दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर सबसे विवादित मुद्दों पर अंतिम फैसले को आगे की बातचीत के लिए टाल दिया है। अप्रैल में घोषित युद्ध विराम को अगले 60 दिनों के लिए बढ़ाया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के तहत अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंधों को हटाएगा और ईरान को तेल निर्यात की अनुमति देने के लिए अस्थायी छूट देगा। इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे ईरान को बड़ी राहत मिल सकती है।

शुरुआती समझौता ईरान के पक्ष में अधिक : ग्राजेव्स्की : इस समझौते को ईरान के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। समझौते के तहत अमेरिका ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाएगा और बंदरगाहों को खोलेगा। ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्ति को बहाल करेगा। साथ ही युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश कोष बनाएगा। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्लेषक निकोल ग्राजेव्स्की ने कहा कि मौजूदा समझौता तत्काल लाभों के लिहाज से ईरान के पक्ष में अधिक दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिन कठिन कदमों की मांग कर रहा था, उनमें से कई को आगे की वार्ता के लिए टाल दिया गया है। ईरान के साथ कूटनीति के समर्थकों ने समझौते का खुस्वागत किया है। नेशनल ईरानियन अमेरिकन काउंसिल के अध्यक्ष जमाल अब्दी ने कहा कि इसे रियायत के बजाय लंबे समय से चली आ रही दबाव की नीति में बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वहीं, अमेरिका में ईरान के प्रति सख्त रुख रखने वाले समूहों ने तेल निर्यात और बैंकिंग प्रतिबंधों में ढील को लेकर चिंता जताई है। साथ ही अन्य विशेषज्ञों ने भी इसे ईरान के लिए अच्छा बताया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, ईरानी जहाज बिना किसी बाधा बंदरगाहों में दाखिल हुए हैं और बिना किसी रुकावट के सामान भी उतारा गया है। बघाई ने कहा, जब अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों डोनाल्ड ट्रंप और मसूद पेजेशकियन ने किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, तो उसका उल्लंघन करने की कीमत भी ज्यादा चुकानी होगी। ईरानी प्रवक्ता ने कहा, हमने तय किया कि बेहतर विकल्प यह है कि दोनों देशों के राष्ट्रपति किसी खास जगह पर मौजूद रहे बिना, वर्चुअली दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। इस फैसले के कई कारण हैं, जिनमें सबसे अहम यह है कि जब दस्तावेज पर दोनों देशों के सबसे बड़े अधिकारियों के हस्ताक्षर होंगे, तो इसके उल्लंघन की कीमत भी ज्यादा होगी।

विशेष चुनाव में जीते लेबर पार्टी नेता बर्नहैम, पीएम स्टार्मर के सामने पद बरकरार रखना चुनौती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एंडी बर्नहैम ने विशेष चुनाव में जीत हासिल की है। इस जीत के बाद वे प्रधानमंत्री स्टार्मर को चुनौती दे सकते हैं। शुक्रवार को घोषित नतीजों के बाद बर्नहैम लेबर पार्टी के नेता के अलावा देश में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। बर्नहैम ने उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के मेकरफील्ड सीट पर रिफॉर्म यूके के रॉब केन्यॉन को हराया। उन्होंने वादा किया है कि यदि लोग उन पर भरोसा करते हैं, तो वह राजनीति बदल देंगे। ब्रिटेन की संसद- हाउस ऑफ कॉमन्स के 650 सांसदों में से एक राजनेता- बर्नहैम के इस दावे को बड़ा माना जा रहा है।

लेबर पार्टी के सांसदों ने मांगा स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की : बर्नहैम ने चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कहा कि वह बदलाव की लड़ाई को जितना ऊंचा ले जा सकते हैं, ले जाएंगे। जुलाई 2024 में शानदार चुनावी जीत के बाद से स्टार्मर की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। वह आर्थिक वृद्धि, सार्वजनिक सेवाओं की मरम्मत और जीवन-यापन की लागत को कम करने में संघर्ष कर रहे हैं। वह बार-बार की गई गलतियों से भी जूझ रहे हैं। इनमें पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में राजदूत नियुक्त करने का उनका निर्णय शामिल है। मैंडेलसन जेफरी एपस्टीन के एक विवादित मित्र हैं। मई के स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद कई लेबर पार्टी के सांसदों ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की।

क्या स्टार्मर पर बढ़ रहा पद छोड़ने का दबाव : स्टार्मर ने पद छोड़ने से इन्कार कर दिया है, लेकिन उनके वरिष्ठ सहयोगी बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। मई में वेस स्ट्रीटइंग ने स्वास्थ्य सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि जहां हमें दूरदर्शिता की आवश्यकता है, वहां एक शून्य है। मेकरफील्ड के लेबर सांसद जोश साइमन ने बर्नहैम को संसद में लौटने का अवसर देने के लिए इस्तीफा दिया। ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली गवर्निंग पार्टियों को मध्यावधि में नेता बदलने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में विजेता को राष्ट्रीय चुनाव की आवश्यकता के बिना प्रधानमंत्री बना दिया जाता है। लेबर नियमों के तहत, एक सांसद पार्टी के हाउस ऑफ कॉमन्स के एक-पांचवें यानी 81 सांसदों के समर्थन से नेता को चुनौती दे सकता है।

देश में नेतृत्व की दौड़ में कौन, बर्नहैम की दावेदारी कितनी मजबूत : स्ट्रीटइंग ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्टार्मर पद छोड़ने के लिए सहमत होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एक प्रतियोगिता की आवश्यकता होगी और वह इसके लिए तैयार होंगे। स्ट्रीटइंग संसदीय सहयोगियों के बीच समर्थन आधार वाले एक आश्वस्त संचारक हैं। हालांकि, बर्नहैम को स्टार्मर का अधिक संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। 56 वर्षीय राजनेता को 'किंग ऑफ द नॉर्थ' उपनाम दिया गया है। उन्होंने 2017 से मैनचेस्टर का नेतृत्व किया है। इस दौरान उन्होंने शहर के तीव्र पुनरुद्धार की देखरेख की है। मैनचेस्टर वह शहर है जहां औद्योगिक क्रांति का जन्म हुआ था। बर्नहैम राष्ट्रीय स्तर पर अपने 'मैनचेस्टरवाद' को दोहराने का वादा कर रहे हैं।

स्टार्मर का रुख और देश की राजनीति में आगे की राह कैसी : ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री स्टार्मर ने शांत रहने और अपना काम जारी रखने की कोशिश की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस सप्ताह फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में कहा कि यदि कोई चुनौती आती है तो वह लड़ेंगे। स्टार्मर ने 2024 में एक महत्वपूर्ण आम चुनाव जीता था।

उन्होंने बदलाव लाने के जनादेश का हवाला दिया। स्टार्मर ने बुधवार को स्काई न्यूज को बताया कि वह बर्नहैम को कैबिनेट पद की पेशकश कर सकते हैं। बर्नहैम के सहयोगियों ने संकेत दिया कि वह इसमें दिलचस्पी नहीं रखते। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉब फोर्ड ने कहा कि बर्नहैम के संसद में लौटने के बाद स्टारर पर दबाव का विरोध करना बहुत मुश्किल होगा। फोर्ड ने यह भी कहा कि मेकरफील्ड में रिफॉर्म यूके को हराने से बर्नहैम की लेबर की सबसे बड़ी संपत्ति होने की दावेदारी मजबूत होती है।

धूप में निकलने से पहले..

दोस्तों गर्मियां आ पहुंची हैं। ऐसे में आप अपनी स्किन और शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी से परेशान होंगे। गर्मियां तो होती ही हैं परेशानी देने वाली, इसमें आपके पसीने छूटने तो लाजमी ही हैं। अब जबतक गर्मियां हैं तबतक आप अपने काम-काज तो बंद करके तो बैठ नहीं जाएंगे, काम तो 12 महीनों ही करना है। इन 12 महीनों में हम न जाने कौन-कौन से थपेड़ों से जूझते हैं, इन सबसे ज्यादा परेशान तो गर्मी ही करती है। बाहर आना-जाना सबसे ज्यादा परेशान करता है। चिपचिपा पसीना, बढ़ा हुआ तापमान, धूल और पानी की कमी का सीधा असर पूरे शरीर और त्वचा पर पड़ता है। धूप में शरीर का जो हिस्सा खुला रहता है वह झुलस जाता है। बहुत लंबे समय तक सनबर्न होता रहे तो त्वचा पर उम्र का असर दिखाई देने लगता है। त्वचा कांतिहीन हो जाती है और उम्र से पहले ही बुढ़ापा दिखाई देने लगता है। गर्मियों के मौसम में होने वाली समस्याओं से बचा जा सकता है लेकिन इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में चंद परिवर्तन करने होंगे।

ब्लेक गॉगल्स व हैट: हमेशा चौड़ा हैट पहनें और ब्लेक गॉगल्स लगाकर ही बाहर निकलें। हो सके तो सफेद या फिर हल्के रंग के कपड़े पहनें क्योंकि ये तापमान नहीं सोखते। कॉटन के कपड़ों हवा पास होती रहती है।

टमाटर टैनिंग से छुटकारा दिलाए : टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए टमाटर का जूस का प्रयोग करें। इसका प्रयोग दिन में दो बार किया जा सकता है। टमाटर विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इन्हें रोजाना खाना चाहिए।

पानी, शरबत व रसीले फल खा कर जाएं बाहर : बाहर निकलने से पहले खूब सारा पानी पी लें क्योंकि गर्मियों में शरीर की नमी तेजी से निकल जाती है। हीट स्ट्रोक होने का भी यही एक बड़ा कारण है। छाछ, कैरी का पन्हा, शरबत और रसीले फल शरीर की नमी को बरकरार रखते हैं।

कीवी नमी बनाए रखता है: कीवी शरीर की नमी बनाए रखता है। हो सके तो इन गर्मियों में एक कीवी जरूर खाएं यह शरीर की नमी को बनाए रखने का एक घरेलू उपाय है।

खुबानी और शहद का लोशन यूज करें: खुबानी और शहद से बने लोशन से त्वचा गुलाब की पत्तियों जैसी नर्म और मुलायम हो जाती है।

सनबर्न होने पर बर्फ करें यूज : यदि किसी वजह से सनबर्न हो गया है तो वहां बर्फ लगाएं और तापमान को कम करने की कोशिश करें। यहां अन्य कोई लेप या क्रीम या मास्क न लगाएं।

पानी का करें यूजः बाहर निकलने से पहले आप भरपूर पानी पीए, धूप में आपकी बॉडी गर्म हो जाती है पानी आपकी बॉडी को समान्य बनाए रखेगा।

संतरे ठंडक देता है: संतरे का रस भरपूर ठंडक देता है, संतरा और उसका रस उम्र को परे धकेलने में सहायक होता है।

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह!

कुछ एंटीबायटिक बार बार लेने से मधुमेह होने का खतरा बढ़ जाता है। यूरोपियन जर्नल ऑफ इंडोक्रनालजी के अनुसार कुछ एंटीबायटिक बार-बार लेने से 'टाइप टू डायबिटीज' का खतरा बढ़ जाता है। लिहाजा विशेषज्ञों ने एंटीबायटिक के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। पेंसिलेवेनिया यूनिवर्सिटी के गैस्टोएन्टरालजी एंड मेडिकल ऑनकोलॉजी के शोधकर्ता डा. बेन बोरसी के अनुसार एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है। इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है। इससे शरीर के मैकेनिज्म पर खराब असर पड़ता है और मोटापा बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। मोटापा बढ़ना इंसुलिन की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करता है। वरिष्ठ शोधकर्ता डा. यू झी यांग के अनुसार हमारे शोध ने एंटीबायोटिक और मधुमेह के बीच संबंध होने के खतरे को उजागर किया है। ब्रिटेन में टाइप टू डायबिटीज मरीज से पीड़ित लोगों की मेडिकल हिस्ट्री पर नजर डाली गई। इसमें यह निष्कर्ष सामने आया कि टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित मरीजों को पहले 'पेनसिलिन्स', 'सेफहेलोस्पोरिन्स', 'क्वीनोलोन्स' और 'मैक्रोलाइड्स' आदि का कम से कम दो बार कोर्स किया था। इसमें से 'क्वीनोलोन्स' सांस के रोगियों और 'यूरीनरी ट्रेक इंफेक्शन' के मरीजों आदि को दी जाती है। ब्रिटेन में 30 लाख लोग टाइप टू डायबिटीज से पीड़ित हैं। भारत सहित कई देशों में मधुमेह पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आने वाले समय में भारत में मधुमेह मरीजों की संख्या अत्यधिक बढ़ने की आशंका है।

■ एंटीबायटिक के कारण हमारे पाचनतंत्र पर खराब असर पड़ता है
■ इससे 'गट बैक्टीरिया' (आंतों के बैक्टीरिया) के सक्रिय होने की आशंका बढ़ जाती है
■ लिहाजा मोटापा बढ़ता है और इंसुलिन की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ङ्कचता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मङ्कचतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

लॉफिंग ज़ोन

एक बहरा अपने बीमार मित्र को देखने जा रहा था. रास्ते में वह मन ही मन सोचने लगा कि ज्यादा बातें करुंगा तो कुछ का कुछ सुनाई देगा इसलिए कम से कम बोलूंगा. सबसे पहले पूछूंगा कि तबीयत कैसी है? मित्र कहेगा ठीक है. फिर पूछूंगा कि किसकी दवा चल रही है? वह डॉक्टर का नाम बता देगा. सोचते-सोचते बीमार का घर आ गया. मित्र से मिलते ही बहरा बोला, 'कहो कैसी तबीयत है?'

बीमार- 'मर रहा हूं.'

बहरा - अगछा ही है. भगवान करे ऐसा ही हो. दवा किसकी चल रही है?

बीमार - यमराज की.

बहरा - अच्छा डॉक्टर है, खाने को क्या बताया है?

बीमार - पत्थर.

बहरा - ठीक है, पचने में हल्के होते हैं.

☺ ☺ ☺

मैनेजर ने अपने एक कर्मचारी के पिता को बुलाकर कहा- आपका लड़का ऐसे काम कर रहा है, जैसे दस वर्ष से नौकरी कर रहा हो.

कर्मचारी के पिता ने पूछा- क्या वह इतने कम दिनों में ही अच्छा काम करना सीख गया है?

'जी नहीं, वह इतना अधिक आलसी हो गया है.' मैनेजर ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली - 4090

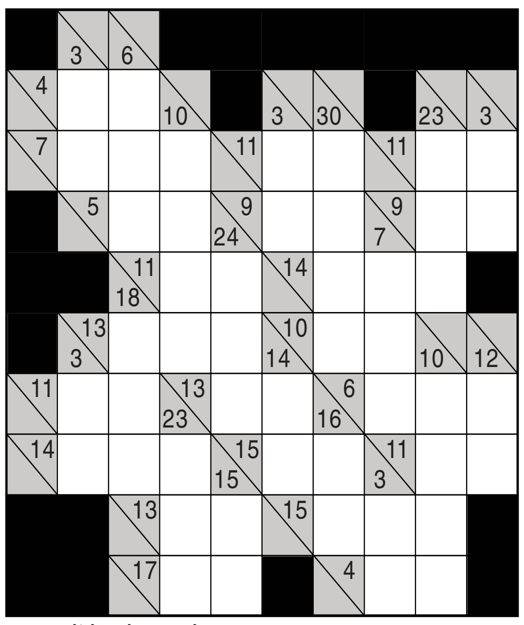

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो 4089 का हल

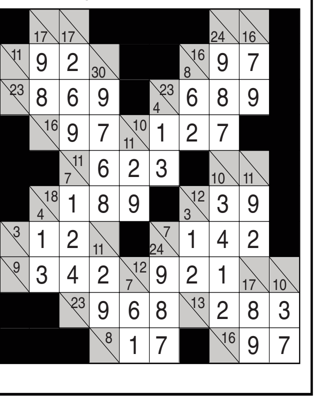

फिल्म वर्ग पहेली- 4090

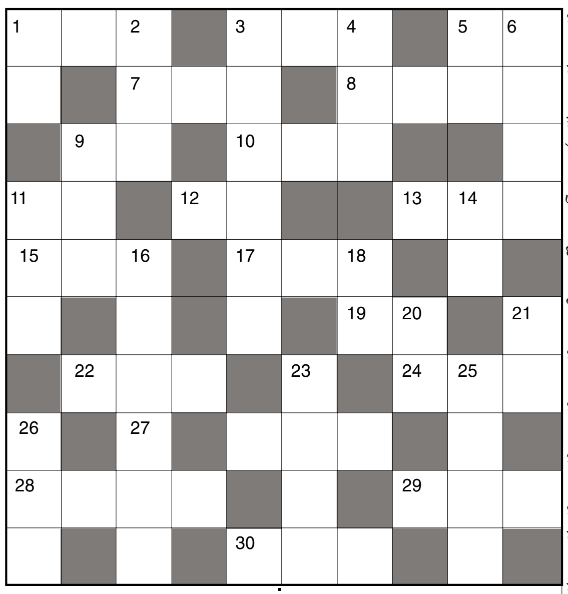

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-4089

सूडोकु -4090

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4089 हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 4090

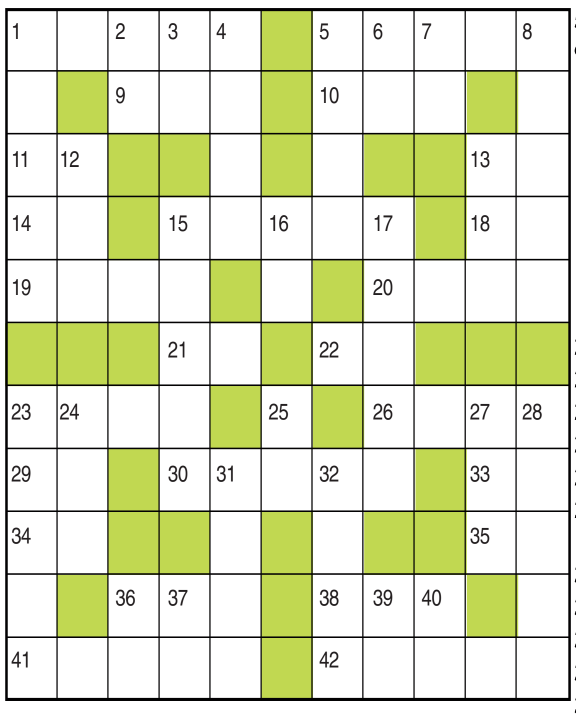

बाएँ से दाएँ

1.मन मोहने वाला-5
5.प्रस्थान करना,रवानगी-5
9.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10.तेल में पकाना-3
11.प्रेम,प्यार-2
13.थोड़ा,जरा-2
14.मैं का बहुवचन-2
15.उम्मीद करना-5
18.धन,संपदा-2
19.पक्षियों की चहचहाट-4
20.अभिप्राय-4
21.सद्,अच्छा-2
22.दम,ताकत-2
23.प्रकाशवान-4
26.ठसाठस-4
29.माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30.क्रोधित होना-2,3
33.विदेशी शराब-2
34.झुका हुआ-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.आखेट मंच-3
38.खुजली-3
41.मनमोहकता-5
42.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आकर्षक.चिताकर्षक-5
2.वैक्स,मधुज-2
3.अधिकार-2
4.फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5.जागरण-4
6.दीवार (अंग्रेजी-2)
7.मां के पिता-2
8.असफल-5
12.गर्भ,कोख-3
13.करामात-3
15.खातिरदारी -5
16.उद्देश्य-2
17.नामकरण-2,3
23.भूस्वामी-2,3
24.सही का विलोम-3
25.मृत्यु-2
27.इमामदस्ता-3
28.कांतिमान, चमकीला-5
31.उदारता,बड़प्पन-4
32.मालगोदाम-4
36.रत्न,नग-2
37.टी,चहा-2
39.याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40.वहम,संदेह-2

शब्द पहेली 4089 हल

हिमालय क्षेत्र में बनेगा देश का नया जलवायु निगरानी केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमालय क्षेत्र में देश का नया जलवायु निगरानी केंद्र बनने जा रहा है। यह कदम जलवायु अनुसंधान को मजबूती प्रदान करेगा। इस संबंध में भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम), पुणे और आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एआरआईईएस) नैनीताल के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता 50 वर्षों से अधिक अवधि के लिए मान्य होगी। समझौते के तहत उत्तराखंड के देवस्थल वेधशाला में भारत जलवायु अवलोकन नेटवर्क (बीसीओएन) के अंतर्गत दीर्घकालिक जलवायु अवलोकन केंद्र स्थापित किया जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार यह केंद्र हिमालयी क्षेत्र में मौसम, ग्रीनहाउस गैसों, वायुमंडलीय प्रदूषकों और मिट्टी की नमी जैसे महत्वपूर्ण मानकों की निगरानी करेगा। वैज्ञानिकों के अनुसार, देवस्थल का स्वच्छ और ऊंचाई वाला वातावरण जलवायु परिवर्तन से जुड़े अध्ययनों के लिए बेहद उपयुक्त है। यहां से प्राप्त आंकड़े हिमालयी क्षेत्र में जलवायु प्रक्रियाओं को समझने और प्रदूषण के प्रभावों का आकलन करने में मदद करेंगे। बीसीओएन परियोजना पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर में उच्च-गुणवत्ता वाला जलवायु डेटा तैयार करना और जलवायु परिवर्तन पर शोध को बढ़ावा देना है।

पंजाब में रेलवे ट्रैक को निशाना बनाने में शामिल केजेडएफ के दो गुर्गे मलेशिया से लाये गए

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) से जुड़े दो वांछित गुर्गों को मलेशिया से प्रत्यर्पण कराया है। पंजाब पुलिस ने दोनों को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया और आगे की जांच के लिए उन्हें पंजाब लेकर आई है। पंजाब पुलिस इन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि अंबाला निवासी गुरविंदर सिंह और पटियाला निवासी मनजीत सिंह पंजाब में समर्पित माल कॉरिडोर लाइनों सहित महत्वपूर्ण रेलवे बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने में शामिल केजेडएफ समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल के मलेशिया आधारित कार्यकर्ता हैं। यह कार्रवाई इसी साल 23 जनवरी को सरहिंद रेलवे लाइन पर हुए आईईडी विस्फोट तथा 27 अप्रैल को पटियाला के शंभू में उसी रेलवे लाइन पर विस्फोट करने के प्रयास के मामले में चार कट्टरपंथियों की गिरफ्तारी के बाद की गई है। पंजाब पुलिस ने इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने इनके कब्जे से एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) लॉन्चर, 2.296 किलोग्राम वजन का एक धातुयुक्त आईईडी, डेटोनेटर और बैटरी, 1.456 किलोग्राम वजन के आरडीएक्स के दो पैकेट, दो हैंड ग्रेनेड, छह आधुनिक पिस्तौलें तथा उनके मैगजीन और कारतूस बरामद किए थे।

जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार' परियोजना पर पर्यावरण मंत्री को फिर लिखा पत्र

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री और कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने 'ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना' को लेकर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को एक बार फिर पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने परियोजना की पर्यावरणीय मंजूरी और उससे जुड़ी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता के अभाव को लेकर भूपेंद्र यादव द्वारा विगत 13 जून को भेजे गए जवाब को पूरी तरह निराशाजनक और असंतोषजनक करार दिया है। जयराम रमेश ने पत्र में कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना के विभिन्न पहलुओं का पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) पूरी तरह से अपर्याप्त है। यह स्वयं पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा तय किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों का खुलेआम उल्लंघन है। केंद्रीय मंत्री के पास उनके द्वारा पहले उठाए गए तकनीकी, कानूनी और वैज्ञानिक सवालों का कोई ठोस अथवा संतोषजनक जवाब नहीं है। सरकार केवल अपनी पुरानी बातों को दोहराकर मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

ममता के करीबी व पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक ने तृणमूल के सभी पदों से इस्तीफा दिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ रही पार्टी अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक ने संगठन के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, ज्योतिप्रिय मल्लिक ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर अपने निर्णय की जानकारी दी है। उन्होंने अपने पत्र में बताया कि वह पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिसके कारण अब संगठन की जिम्मेदारियां निभा पाना उनके लिए संभव नहीं है।

हाल ही में ज्योतिप्रिय मल्लिक को तृणमूल कांग्रेस की कार्यकारी समिति में जगह दी गई थी लेकिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने इस जिम्मेदारी को स्वीकार करने में असमर्थता जताई है। उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले ज्योतिप्रिय मल्लिक लंबे समय से तृणमूल के कद्दावर नेताओं में गिने जाते रहे हैं। वे पार्टी संगठन एवं तृणमूल सरकारों में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बाद से पार्टी में जारी उठा पटक के बीच ज्योतिप्रिय के इस्तीफे को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दिल्ली में अगले 3-4 दिनों के दौरान हल्की वर्षा

कुछ राज्यों में लू चलने के आसार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में अगले 3-4 दिनों के दौरान धूल भरी आंधी चलने तथा गरज के साथ हल्की वर्षा होने के आसार हैं और तापमान भी सामान्य रहने का अनुमान है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और तेलंगाना के कुछ इलाकों में लू की स्थिति बनी रहेगी।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में 20 जून को दोपहर या शाम के समय हल्की बारिश होने और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने के आसार हैं जिनकी गति झोंकों में 60

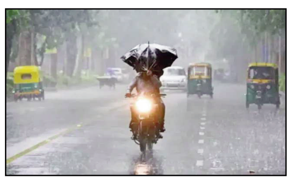

किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। राजधानी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 21 जून को भी तेज हवा के झोंकों के साथ हल्की वर्षा होने के आसार हैं, जो दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को गर्मी से राहत दिलाएगी। तापमान भी लगभग ठीक रहने का अनुमान है। 22 जून को वर्षा नहीं होगी लेकिन बादल छाए रहेंगे। तापमान में भी गिरावट होगी। आईएमडी के अनुसार शुक्रवार दोपहर-शाम के दौरान हल्की वर्षा होनी थी लेकिन तेज धूप खिली रही, जिससे यहां के निवासियों को पहले की तुलना में हल्की गर्मी का एहसास हुआ। यहां का अधिकतम तापमान 38-40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। आईएमडी के मुताबिक 23 जून तक महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं। 21 जून तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 24 जून तक, बिहार में 22 जून तक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में 20 जून तक कुछ जगहों पर लू चलने की बहुत संभावना है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ओले गिरने के आसार हैं।

विहिप केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक संपन्न, परिवार कानूनों की समीक्षा

एजेंसी

हरिद्वार। विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की दो दिवसीय बैठक हरिद्वार स्थित निष्काम सेवा ट्रस्ट, भूपतवाला परिसर में संपन्न हो गई। बैठक के उपरांत दण्डी स्वामी स्वामी जितेंद्रानन्द सरस्वती तथा विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने संयुक्त प्रेस वार्ता में बैठक के प्रमुख विषयों और प्रस्तावों की जानकारी दी। बैठक में परिवार संस्था की मजबूती, गौ रक्षा एवं गौ संवर्धन, नशा मुक्ति, सामाजिक समरसता, जनसंख्या असंतुलन और जनगणना से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। संतों और प्रतिनिधियों ने हिंदू समाज की एकता एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का आह्वान किया। प्रेस वार्ता में कहा गया कि परिवार और विवाह संस्था भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। मार्गदर्शक मंडल ने हाल के वर्षों में व्यभिचार को अपराध की श्रेणी से बाहर किए जाने, लिव-इन संबंधों तथा समलैंगिक जोड़ों को साथ रहने की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे विवाह संस्था कमजोर हो सकती है। परिषद ने परिवार कानूनों की व्यापक समीक्षा कर उन्हें परिवार और विवाह संस्था के अनुकूल बनाने की आवश्यकता बताई। साथ ही समाज, परिवार और संत समुदाय से नई पीढ़ी को स्वधर्म और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया। अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े आरोपों पर विहिप नेतृत्व ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट ने स्वयं मुख्यमंत्री से एसआईटी जांच कराने का अनुरोध किया है और जांच में पूरा सहयोग दिया जा रहा है।

एनएचआरसी का नाबालिग को जेल में रखने को लेकर उप्र के डीजीपी व अन्य को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के कासना जेल में एक नाबालिग को वयस्क कैदी की तरह हिरासत में रखने से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेते हुए जेल प्रशासन, सुधार सेवा महानिदेशक और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

मीडिया की रिपोर्ट में अप्रैल महीने में गौतमबुद्ध नगर में मजदूरों ने वेतन वृद्धि और बेहतर कार्य परिस्थितियों को लेकर एक विरोध प्रदर्शन किया था। इसी प्रदर्शन के दौरान उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के रहने वाले एक 16 वर्षीय किशोर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने पीड़ित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी। गिरफ्तारी के बाद किशोर को कासना जेल भेज दिया गया। बाद में हुए मेडिकल टेस्ट से पुष्टि हुई कि वह नाबालिग है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद भी उसे किशोर सुधारगृह में स्थानांतरित करने में

प्रशासन को 6 दिन का समय लग गया। पीड़ित युवक को जमानत मिल चुकी है लेकिन वह आज भी सुधारगृह में ही बंद है। उसका परिवार बेहद गरीब है और अदालत द्वारा तय की गई जमानत राशि का इंतजाम करने में असमर्थ है। आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके साथ मारपीट की और डरा-धमकाकर जबरन कुछ खाली दस्तावेजों पर उसके हस्ताक्षर करवा लिए। एनएचआरसी अब इस पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच कर रहा है। आयोग ने अपने महानिदेशक (जांच) को भी निर्देश दिया है कि वे अधिकारियों की एक टीम को घटनास्थल पर जांच करने के लिए भेजें और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

एनसीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा मार्गदर्शन के लिए 'प्रोजेक्ट सुपर 50' किया शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग(एनसीएससी) ने नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में सिविल सेवा परीक्षा मार्गदर्शन कार्यक्रम प्रोजेक्ट सुपर 50 का सफलतापूर्वक शुरू किया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य विषय (थीम) मार्गदर्शन, सलाह देना और सशक्तिकरण रखा गया था। यह परियोजना अनुसूचित जाति (एससी) के युवाओं को शैक्षणिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा और ठोस कदम है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्रसेना रेड्डी नल्लू ने देश के संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दृष्टिकोण और विजन का आह्वान किया। राज्यपाल ने सिविल सेवा उम्मीदवारों को परीक्षा की तैयारी के गुर सिखाए, भारत में सिविल सेवा के इतिहास पर प्रकाश डाला और सफलता हासिल करने के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विस्तृत मार्गदर्शन साझा किया। एनसीएससी के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने आयोग के गठन, इसके जनादेश, शक्तियों और अनुसूचित जातियों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण में एनसीएससी की अहम भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. पार्थ बिस्वास (सदस्य, एनसीएससी) ने देश के युवाओं से डॉ. बी.आर. अंबेडकर के प्रेरणादायक मंत्र शिक्षित हो, संगठित हो, आंदोलन करो को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। गुडे श्रीनिवास (सचिव, एनसीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों को परीक्षा के तनाव से निपटने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कई बहुमूल्य सुझाव दिए। इस अवसर पर आयोग के सदस्य वड्डेपल्ली रामचंदर भी उपस्थित रहे और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर आमंत्रित वरिष्ठ आईएएस और आईआरएस अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने उम्मीदवारों के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभव, परीक्षा पास करने की रणनीतियाँ और प्रशासनिक जीवन के व्यावहारिक पहलुओं को खुलकर साझा किया। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार प्रोजेक्ट सुपर 50 का मुख्य उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग के होनहार छात्रों को सही दिशा और संसाधन प्रदान करना है, ताकि वे देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं में अपनी जगह बना सकें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिविल सेवा उम्मीदवारों, सेवारत सिविल सेवकों और शिक्षाविदों ने भाग लिया।

वैज्ञानिकों ने चिकनगुनिया के खिलाफ गौमूत्र अर्क में खोजे प्रभावी एंटीवायरल यौगिक

एजेंसी

रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की के वैज्ञानिकों ने चिकनगुनिया वायरस के विरुद्ध लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए गौमूत्र अर्क (काउ यूरिन डिस्टिलेट-सीयूडी) में मौजूद ऐसे जैव-सक्रिय यौगिकों की पहचान की है, जो वायरस की वृद्धि को प्रभावी ढंग से रोकने में सक्षम पाए गए हैं। शोधकर्ताओं का दावा है कि प्रयोगशाला परीक्षणों में इन यौगिकों ने वायरल लोड में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है। प्रतिष्ठित शोध पत्रिका एसीएस एग्रीकल्चरल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन का नेतृत्व आईआईटी रुड़की के जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग की प्रोफेसर शैल्ली तोमर और उनकी टीम ने किया। यह शोध आयुष मंत्रालय के सहयोग से देश के विभिन्न आयुर्वेदिक और जैव-चिकित्सीय संस्थानों के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर पूरा किया गया।

शोध में उन्नत वायरोलॉजी, मेटाबोलोमिक्स, मॉलिक्यूलर

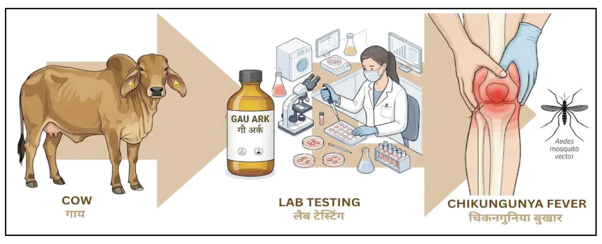

डॉकिंग और जैव-रासायनिक विश्लेषण तकनीकों का उपयोग कर एंटीवायरल गतिविधि के लिए जिम्मेदार प्रमुख यौगिकों की पहचान की गई। अध्ययन के अनुसार सुरक्षित सांद्रता स्तरों पर गौमूत्र अर्क के प्रयोग से चिकनगुनिया वायरस की मात्रा में 90 प्रतिशत से अधिक कमी देखी गई। शोधकर्ताओं ने बताया कि गौमूत्र अर्क, थाइमोक्विनोन और पाइपरीन के अनुकूलित संयोजन ने प्रयोगशाला परिस्थितियों में वायरल लोड को 99.85 प्रतिशत तक कम करने में सफलता हासिल की। अध्ययन में बेंजोइक एसिड, हिप्यूरिक एसिड और ओलिक एसिड को ऐसे प्रमुख घटकों के रूप में पहचाना गया, जो वायरस की प्रतिकृति प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर उसकी वृद्धि को रोकते हैं। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा कि उभरते वायरल रोगों से निपटने के लिए किफायती और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित समाधानों की आवश्यकता है। यह अध्ययन पारंपरिक भारतीय ज्ञान और आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। अध्ययन की समन्वयक लेखिका प्रो. शैल्ली तोमर ने कहा कि शोध न केवल गौमूत्र अर्क में मौजूद विशिष्ट एंटीवायरल अणुओं की पहचान करता है, बल्कि प्राकृतिक यौगिकों के समन्वित फॉर्मुलेशन की प्रभावशीलता भी दर्शाता है। हालांकि, इन निष्कर्षों को चिकित्सीय उपयोग में लाने से पहले व्यापक प्री-क्लिनिकल और ट्रांसलेशनल अध्ययनों की आवश्यकता होगी। चिकनगुनिया एक मच्छर जनित वायरल रोग है,जो मुख्य रूप से एडीज मच्छरों के जरिए फैलता है। इससे तेज बुखार, गंभीर जोड़ों का दर्द और लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। वर्तमान में इसके लिए प्रभावी एंटीवायरल उपचार सीमित हैं।

पासपोर्ट सेवा तेज, सुलभ और वास्तव में लोकतांत्रिक बन चुकी है: विदेश मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारियों के वार्षिक सम्मेलन में कहा कि आज पासपोर्ट सेवा तेज, सुलभ और वास्तव में लोकतांत्रिक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि विश्वभर में भारतीय प्रतिभा की मांग और प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सुगम और प्रभावी पासपोर्ट सेवाएं एक समृद्ध, वैश्विक रूप से जुड़े विकसित भारत की महत्वपूर्ण आधारशिला बनेंगी। जयशंकर ने कहा कि भारत की विदेश नीति देश को 'विश्व बंधु' के रूप में स्थापित कर रही है। इसके कारण भारतीय पासपोर्ट को दुनिया भर में सम्मान और विश्वास के साथ देखा जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पासपोर्ट प्राप्त करना संघर्ष का विषय नहीं बल्कि नागरिकों का अधिकार होना चाहिए।उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में पासपोर्ट जारी करने का आंकड़ा 138 लाख से अधिक पहुंच गया है। यह भारतीय नागरिकों की बढ़ती आकांक्षाओं और वैश्विक अवसरों की ओर उनके बढ़ते कदमों को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में देशभर में केवल 77 पासपोर्ट सेवा केंद्र थे और वार्षिक पासपोर्ट जारी करने की संख्या 83 लाख थी। सरकार के व्यापक विस्तार अभियान के परिणामस्वरूप अब 544 कार्यरत

केंद्र स्थापित हो चुके हैं। इनमें 93 पासपोर्ट सेवा केंद्र और 454 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम संस्करण 2.0 ने विकसित भारत के लिए वैश्विक गतिशीलता को नई परिभाषा दी है। उनके अनुसार पासपोर्ट केवल यात्रा दस्तावेज नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और राष्ट्रीय पहचान का महत्वपूर्ण साधन है।

महाराष्ट्र जालना स्कूल मामला

रक्षा खडसे ने कहा-स्कूल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए

एजेंसी

सूरत। महाराष्ट्र के जालना जिले के परतूर स्थित एक निजी स्कूल के वार्षिक समारोह में कथित रूप से पाकिस्तान से जुड़े गीतों पर विद्यार्थियों की प्रस्तुति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद गहरा गया है। इस मामले में आज केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने सूरत में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सूरत दौरे पर पहुंचीं रक्षा खडसे ने हिंदुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से यह मामला उनके संज्ञान में आया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में पाकिस्तान से जुड़े गीतों पर बच्चों को प्रस्तुति कराई गई है, तो यह बेहद गंभीर विषय है और ऐसी घटनाएं देश में स्वीकार्य नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बच्चों को राष्ट्रभक्ति, कर्तव्य और राष्ट्रसेवा के संस्कार दिए जाने चाहिए, न कि ऐसे कार्यक्रमों का हिस्सा बनाया जाना

चाहिए जो गलत संदेश दें। उन्होंने कहा कि जिस देश में हम रहते हैं, उसके प्रति कर्तव्य और सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। विद्यार्थियों को देश, समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के संबंधों की वास्तविकता सभी जानते हैं। ऐसे में यदि कोई शैक्षणिक संस्था इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती है तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। महाराष्ट्र सरकार की भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह मामला राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। उन्हें विश्वास है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दोनों उपमुख्यमंत्री इस मामले को गंभीरता से लेकर आवश्यक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी इस विषय पर राज्य सरकार से चर्चा करने का प्रयास करेंगी।

उल्लेखनीय है कि जालना जिले के परतूर स्थित किड्स वर्ड इंग्लिश स्कूल के वार्षिक समारोह में ' सर तन से जुदा' गाने का वीडियो वायरल होने पर विद्यालय प्रबंधक सहित 3 पर कार्यवाही की गई है। इस वीडियो में कुछ विद्यार्थियों को कथित रूप से विवादित गीतों पर प्रस्तुति देते हुए देखा गया, जिसके बाद प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

झारखंड के विकास में केंद्र देगा हरसंभव सहयोग

ऊर्जा-शहरी योजनाओं की समीक्षा में बोले केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी

रांची। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने झारखंड के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग और सहायता का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के ऊर्जा और शहरी विकास क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार लगातार सहयोग कर रही है और भविष्य में भी आवश्यक समर्थन उपलब्ध कराया जाएगा।

रांची स्थित एक होटल में आयोजित समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री ने राज्य की विद्युत व्यवस्था और शहरी विकास योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में झारखंड सरकार के शहरी विकास एवं आवासन मंत्री सुदिव्य कुमार सहित राज्य सरकार, ऊर्जा मंत्रालय, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय तथा विभिन्न केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री ने राज्य के ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा करते हुए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार करने पर बल दिया। समीक्षा के दौरान पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस), बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की परिचालन

एवं वित्तीय स्थिति, भविष्य की विद्युत मांग को पूरा करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता तथा पारेषण अवसंरचना (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) के विस्तार से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मनोहर लाल ने राज्य में समग्र तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटी एंड सी) हानियों और आपूर्ति लागत एवं औसत राजस्व प्राप्ति (एसीएस-एआरआर) के अंतर के उच्च स्तर पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए इन दोनों मानकों में सुधार आवश्यक है। इसके लिए राज्य सरकार को ठोस और समयबद्ध कदम उठाने होंगे। केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार से सरकारी वितरण कंपनियों के ऋण दायित्वों के पुनर्गठन की दिशा में प्रयास तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकारी विभागों द्वारा लंबित बिजली बिलों के शीघ्र भुगतान की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही निर्देश दिया कि सरकारी उपभोक्ताओं और संस्थानों में लगे बिजली मीटरों को 31 अगस्त 2026 तक प्रीपेड मीटरों में परिवर्तित करने की दिशा में कार्य किया जाए, ताकि नियमित भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं सहित उच्च भार वाले सभी उपभोक्ताओं के यहां 31 अगस्त 2026 तक स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य पूरा किया जाएगा। इसके अलावा अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं के बीच भी स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

मप्र पुलिस को पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट कार्य के लिए लगातार दूसरे वर्ष मिला राष्ट्रीय सम्मान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस के नागरिक सेवाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान किए गए पासपोर्ट आवेदनों के पुलिस सत्यापन के प्रदर्शन के आधार पर मध्य प्रदेश पुलिस को पांच लाख से कम पासपोर्ट आवेदन श्रेणी में देश में प्रथम स्थान प्रदान किया गया है। विदेश मामलों के मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने को सीबी मुथम्मा हॉल, 'सी' विंग, जवाहरलाल नेहरू भवन, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में मध्य प्रदेश पुलिस को वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'इंस्टीट्यूशनल परफॉर्मेंस अवार्ड फार स्टेट पुलिस' से सम्मानित किया। कार्यकम में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व उप पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) तरुण नायक एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक (विशेष शाखा

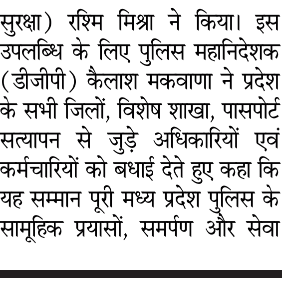

सुरक्षा) रश्मि मिश्रा ने किया। इस उपलब्धि के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने प्रदेश के सभी जिलों, विशेष शाखा, पासपोर्ट सत्यापन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरी मध्य प्रदेश पुलिस के सामूहिक प्रयासों, समर्पण और सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच कुल 3 लाख 35 हजार 647 पासपोर्ट सत्यापन समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण तरीके से संपादित किए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा मध्यप्रदेश को इस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश पुलिस ने पिछले वर्ष भी पहली बार यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त किया था और अब लगातार दूसरे वर्ष यह उपलब्धि अर्जित कर प्रदेश पुलिस ने अपनी कार्यकुशलता, जवाबदेही और नागरिक सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः सिद्ध किया है। यह उपलब्धि प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों, समयबद्ध सत्यापन प्रक्रिया तथा

यशस्वी का शतक, प्रसिद्ध का पंजा; भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीती

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का शानदार समापन करते हुए तीसरे और अंतिम मुकाबले में 9 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शनिवार को खेले गए मैच में भारत ने 219 रनों का लक्ष्य महज 28.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

भारत की जीत के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा रहे। यशस्वी ने नाबाद 110 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

यशस्वी-रोहित ने आसान बनाया लक्ष्य

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की।

रोहित शर्मा ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्हें मोहम्मद नबी ने सेदिकुल्लाह अटल के हाथों कैच कराया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर ने कोई जोखिम नहीं लिया और टीम को जीत तक पहुंचाया।

यशस्वी ने 86 गेंदों में नाबाद 110 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार झटके देते हुए रहमत शाह (5), इब्राहिम जादरान (11) और दरविश रसूली (11) को भी पवेलियन भेज दिया। महज 36 रन पर चार विकेट गंवाकर अफगानिस्तान संकट में आ गया था।

हालांकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्लाह उमरजई ने पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की। उमरजई ने 56 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

उमरजई के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी फिर लड़खड़ा गई। मोहम्मद नबी 21 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राशिद खान केवल 5 रन ही बना सके।

शाहिदी का पहला वनडे शतक भी नहीं बचा सका टीम को

एक छोर पर डटे कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने 131 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। शाहिदी की इस जुझारू पारी की बदौलत अफगानिस्तान 44.2 ओवर में 218 रन तक पहुंच सका।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे सफल गेंदबाज रहते हुए 5 विकेट लिए। वहीं हर्ष दुबे, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

भारत ने पूरे दौरे में दिखाया दबदबा

भारतीय टीम इससे पहले धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में 7 विकेट और लखनऊ में दूसरे मुकाबले में 170 रनों से जीत दर्ज कर चुकी थी। चेपॉक में मिली जीत ने सीरीज में भारत का दबदबा पूरी तरह साबित कर दिया।

इस मैच में भारत ने अर्शदीप सिंह, केएल राहुल और कुलदीप यादव को आराम दिया था, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्ष दुबे की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड और मजबूत

वनडे क्रिकेट में भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने 6 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा। अफगानिस्तान अब भी भारत के खिलाफ अपनी पहली वनडे जीत की तलाश में है। चेपॉक में मिली हार के बाद यह इंतजार और लंबा हो गया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की चिली पर बड़ी जीत, नेशंस कप के फाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 के सेमीफ़ाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर ने (छठे, 13वें), दीपिका ने (14वें, 18वें), नेहा ने (32वें) और रुतुजा दादासो पिसाल ने (39वें) मिनट में गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए'प्लेयर ऑफ़ द मैच%चुना गया। भारत का फाइनल में मुक़ाबला अमेरिका और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

खेल की अच्छी शुरुआत के बाद, जिसमें भारत ने शुरुआती दौर में गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखा, उन्हें छठे मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत ने इस मौके का फायदा उठाया और उनके शॉट ने गोल के कोने में जाकर भारत को बढ़त दिलाई। भारत ने 13वें मिनट में अपनी बढ़त और मजबूत की।

सलीमा ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई और क्रॉस दिया, जिससे नवनीत को चिली के गोल पोस्ट के सामने बिना किसी रुकावट के गेंद को डिफ़्लेक्ट करके अपना दूसरा गोल करने का मौका मिला। ड्रैगफ़्लिकर दीपिका ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए भारत की बढ़त को और बढ़ाया और 18वें मिनट में सेट-पीस से एक और गोल करके स्कोर तेजी से 4-0 कर दिया।

दीपिका के इन दो गोलों के साथ वह टूर्नामेंट में छह गोल करके सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गईं। 4-0 की मज़बूत बढ़त के साथ दूसरे हाफ़ में पहुंचने के बाद भारत ने चिली की टीम पर दबाव बनाना जारी रखा। नेहा ने 32वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत की बढ़त 5-0 हो गई और शॉर्ट-कॉर्नर को गोल में बदलने का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। 39वें मिनट में रुतुजा दादासो पिसाल ने भी गोल करने वालों की लिस्ट में अपना नाम जोड़ा; उन्होंने ओपन प्ले से रिवर्स हिट लगाकर गोल किया और स्कोर 6-0 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में चिली की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने सविता को चुनौती दी और उन्होंने कुछ शानदार बचाव किए। हालांकि, चिली की खिलाड़ी उन्हें पार नहीं कर सकीं और भारत ने आखिरी मिनटों में अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में वैभव सूर्यवंशी पर होगी सबकी नजर

दांबुला (एजेंसी)। 21 जून इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई नेशन ए सीरीज का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को दांबुला में खेला जाएगा। इस मुकाबले में एक बार फिर सभी की निगाहें युवा भारतीय सनसनी 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी। इस फाइनल से पहले, पिछली बार जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तो वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। वह मुकाबला सुपर ओवर तक खिंचा था, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, और उसी दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी एक बार फिर वैभव को निशाने पर लेंगे? इस सवाल का जवाब खुद श्रीलंका ए के कप्तान ने दिया है। पिछली भिड़ंत में, इंडिया ए की सुपर ओवर में हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हालंबगे के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें वैभव ने हालंबगे को धक्का भी दे दिया था। इस घटना के बाद, कई रिपोर्टों में सामने आया कि हालंबगे लगातार वैभव को चिढ़ा रहे थे और ट्राई-नेशन सीरीज की शुरुआत से ही दोनों खिलाड़ियों के बीच मौखिक झड़पें हो रही थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हालंबगे ने भारतीय बल्लेबाज से कई बातों के अलावा यह भी कहा था, घर जाओ, यह आईपीएल नहीं है। या कुछ इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसने स्थिति को और गरमा दिया था।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका की ऐतिहासिक भिड़ंत, भारत की हैट्रिक पर नजरें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रविवार को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा। लगातार दो मैच जीतने के बाद विमेन इन ब्लू की नजरें हैट्रिक लगाने पर हैं। यह मैच ऐतिहासिक है क्योंकि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की यादें भी ताजा करता है, जहां भारत ने साउथ अफ्रीकी टीम को हराकर ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, रविवार का मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप का सिर्फ एक ग्रुप-स्टेज मैच है, लेकिन यह प्रोटियाज टीम के लिए बदला लेने और नॉकआउट स्टेज की ओर एक निर्णायक कदम उठाने का मौका है। हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच एक जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है, और रविवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप 1 के इस अहम मुकाबले में इस प्रतिद्वंद्विता का एक और अध्याय लिखा जाएगा।

भारत ने इस वर्ल्ड कप में दमदार शुरुआत की है। अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया, और फिर नीदरलैंड को 95 रन से मात दी। इन दो लगातार जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के शुरुआती दावेदारों में खुद को मजबूती से स्थापित कर लिया है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। वहीं, दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की शुरुआत मिली-जुली रही है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 65 रन से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2 विकेट से जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए काफी अहम थी और अब उन्हें ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी होगी।

हालांकि दोनों देश विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के सभी 10 संस्करण में खेले हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि टूर्नामेंट में यह उनका पहला मुकाबला होगा। दोनों देशों के बीच टी20 फॉर्मेट में कुल 24 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 11 और साउथ अफ्रीका ने 10 मैच जीते हैं, जबकि तीन मैच बेनतीजा रहे हैं। हालांकि, हाल के मुकाबलों में साउथ अफ्रीका को ज्यादा सफलता मिली है, उन्होंने पिछले 15 टी20 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है। यह आंकड़ा इस बात का सबूत है कि भले ही भारत का पलड़ा भारी दिखता हो, लेकिन प्रोटियाज टीम कड़ी चुनौती पेश करने में सक्षम है।

सैबारी ने दूसरे मिनट में गोल करके मोरक्को को दिलाई जीत

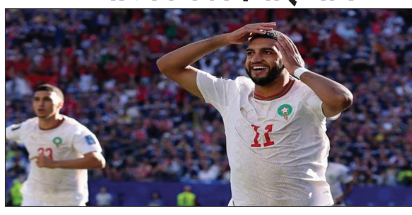

फॉक्सबोरो (मैसाचुसेट्स)। इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1-0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को के कोच मोहम्मद ओउहबी ने कहा, 'हमें तीन अंक चाहिए थे और हमें मिल गए।' मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की। 25 वर्षीय फॉरवर्ड ने गेंद को लपकते ही गोलकीपर एंगस गन की पहुंच से काफी दूर नेट ऊपरी बाएं कोने में जोरदार शॉट लगाकर अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली मोरक्को की टीम ने ग्रुप सी का अपना पहला मैच ब्राजील के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था, जिसमें सैबारी ने उसकी तरफ से एकमात्र गोल किया था। स्कॉटलैंड ने अपने पहले मैच में हैती को 1-0 से हराया था लेकिन मोरक्को की मजबूत रक्षात्मक पंक्ति के सामने उसे स्पष्ट मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करने के बावजूद स्कॉटलैंड के कोच स्टीव क्लार्क ने कहा, 'हमने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हमें पूरा भरोसा है कि हम इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।'

फीफा विश्व कप : मैथियस कुन्हा के दो गोल से ब्राजील ने हैती को बाहर का रास्ता दिखाया

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दो गोल में से एक में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने शुक्रवार रात को हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है। वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है।

दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। उन्होंने दो गोल करके यह साबित कर दिया कि ब्राजील और मोरक्को के बीच 1-1 से नीरस ड्रॉ छूटे पहले मैच में उन्हें शुरुआती लाइनअप में नहीं रखना कितनी बड़ी गलती थी।

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने पहले मैच में चौंकाने वाला फैसला लेते हुए कुन्हा को काफी देर बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा था। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राजील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी।

विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था। इससे पीले रंग की जर्सी पहने सेलेकाओ (ब्राजील की टीम) के प्रशंसकों का उत्साह कुछ समय के लिए ही कम हुआ, लेकिन कुन्हा ने जल्द ही उन्हें झूमने के लिए मजबूर कर दिया। राफिन्हा को चोट के कारण पहले हाफ में ही बाहर होना पड़ा था।

हैती के प्रशंसकों ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के पारंपरिक युद्धघोष 'ग्रेनेडिये अलासो' (ग्रेनेडियर्स आक्रमण पर) पर नृत्य किया और गीत गाए। ब्राज़ील के प्रशंसकों ने जवाब में नारे लगाए और हैती के प्रशंसकों को याद दिलाया कि उनका देश पांच बार का विश्व कप चैंपियन है और फुटबॉल के बादशाह का घर है। वह कह रहे थे, 'हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल। सिर्फ पेले, सिर्फ पेले, सिर्फ पेले' ने किए हैं।

बहस के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बने अलमिरोन

सांता क्लारा (अमेरिका)। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच शुक्रवार रात को खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा-सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया। पराग्वे के कोच गुस्तावो अल्फारो ने कहा, 'नए नियम के अनुसार अगर आप मुंह ढकते हैं तो आपको मैदान से बाहर कर दिया जाएगा। मैं इसको लेकर कुछ नहीं कर सकता। हम इस पर कोई राय नहीं दे सकते।'

महिला टी-20 विश्व कप : न्यूजीलैंड ने रोमांचक जीत से खोला खाता, भारत ग्रुप-ए में शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में आखिरकार डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 4 रनों से जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोल लिया है। वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली शुरुआती दो हार के बाद कीवी टीम के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी, हालांकि आयरलैंड ने उन्हें अंत तक कड़ी टक्कर दी। इस जीत के बावजूद, न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना अभी भी काफी कठिन है, क्योंकि उन्हें अपने बचे हुए मैचों में शानदार प्रदर्शन करना होगा और अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। वहीं, दूसरी ओर भारतीय टीम ने ग्रुप-ए में अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। ग्रुप-बी के पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड इस जीत के साथ चौथे पायदान पर पहुंच पाई है। उनके ऊपर स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमें हैं। स्कॉटलैंड ने इस टूर्नामेंट में अभी तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में उसे जीत मिली है और वेस्टइंडीज के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जिससे वह तीसरे पायदान पर है। इंग्लैंड पहले और वेस्टइंडीज दूसरे स्थान पर काबिज हैं, दोनों ही टीमें अपने सभी मैच जीत चुकी हैं। सेमीफाइनल के लिए प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष-2 टीमें क्वालीफाई करेंगी, ऐसे में न्यूजीलैंड के लिए चुनौती काफी बड़ी है। न्यूजीलैंड को अपने बचे हुए दो मुकाबले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों से खेलने हैं। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें हर हाल में ये दोनों मैच जीतने होंगे। एक भी गलती उन्हें टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा सकती है, और इन दो मैचों को जीतने के बाद भी उन्हें दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ सकता है।

क्रिकेटर आकाश दीप और मुकेश कुमार बने बिहार में डीएसपी

-सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

नई दिल्ली। भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके तेज गेंदबाज आकाश दीप और कुछ मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुके मुकेश कुमार को बिहार सरकार ने स्पोर्ट्स कोटा के तहत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद के लिए अनुशंसित किया है। इस महत्वपूर्ण जानकारी को स्वयं आकाश दीप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से साझा किया, जिसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और मिश्रित प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। यह नियुक्ति बिहार सरकार की खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की नीति का हिस्सा मानी जा रही है। आकाश दीप ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बिहार सरकार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रशंसा करते हुए लिखा, अभिभूत हूं, विभोर हूं। बिहार सरकार द्वारा आज मुझे और मेरे साथी क्रिकेटर मुकेश को पुलिस उपाधीक्षक पद हेतु अनुशंसित किए जाने के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री अग्रज श्री सम्राट चौधरी एवं खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह जी को कोटिश: धन्यवाद। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे लिखा, आपकी खेल को प्रोत्साहन और खिलाड़ियों को सम्मान देने की नीति युवाओं को खेल में चमकने को प्रेरित करेंगी। जय भारत, जय बिहार। यह पोस्ट बिहार के क्रिकेट जगत में खुशी और गर्व का माहौल लेकर आया, लेकिन इसके नीचे की प्रतिक्रियाएं काफी दिलचस्प रहीं। भले ही आकाश दीप और मुकेश कुमार को स्पोर्ट्स कोटा के तहत यह प्रतिष्ठित पद दिया गया हो, लेकिन कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर सवाल उठाते हुए लिखा कि सब पोस्ट आप ही लोग ले लीजिएगा तो बेरोजगार लोग क्या करेंगे? इस तरह की टिप्पणियों और ट्रोलिंग से नियुक्ति के तरीके और सरकारी नौकरियों के वितरण को लेकर समाज में चल रही बहस एक बार फिर सामने आ गई। फिलहाल, मुकेश कुमार और आकाश दीप दोनों ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन वे आईपीएल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

टीम इंडिया को बड़ा झटका:हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटें न केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर डाल रही हैं।

दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर संदेह ने भी टीम प्रबंधन को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।

हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है। राहुल और पंत की वापसी टीम को बल्लेबाजी में गहराई और अनुभव प्रदान करेगी, जबकि बुमराह की तेज गेंदबाजी टीम के आक्रमण को धार देगी। ध्रुव जुरेल, जिन्होंने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है, अपनी युवा ऊर्जा और प्रतिभा के साथ टीम में एक नया आयाम जोड़ सकते हैं।

इन फिटनेस अपडेट्स के साथ, चयनकर्ताओं को अब हार्दिक पंड्या की जगह एक उपयुक्त ऑलराउंडर और विराट कोहली की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में संभावित बदलावों पर विचार करना होगा। इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, और ऐसे में प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या फिटनेस संबंधी चिंताएं टीम के लिए एक कठिन परीक्षा पेश करती हैं। टीम प्रबंधन और कोच राहुल द्रविड़ को इन चुनौतियों का सामना करते हुए एक संतुलित और मजबूत टीम का चयन करना होगा जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

ज़िंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मनाना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोप्पिकर कहती हैं, ''नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।'' ईशा ने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।''

ईशा ने अपने वीडियो में कहा, ''कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।'' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, ''अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं। आधा साल अभी भी बाकी है और यह समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना साल की शुरुआत होती है।''

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूं

अपकमिंग फिल्म 'अर्जुनैन अल्लिरानी' में 'रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को 'खाली पन्ने' की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे।

शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

अगले साल आएगी टाइगर श्रॉफ-जान्हवी और लक्ष्य की फिल्म 'लग जा गले'

टाइगर श्रॉफ, जान्हवी कपूर और लक्ष्य बड़े परदे पर साथ आने वाले हैं। बात हो रही है एक्शन फिल्म 'लग जा गले' की। राज मेहता के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया गया है।

अगले साल रिलीज होगी 'लग जा गले'

फिल्म 'लग जा गले' को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। यह फिल्म अगले साल मई में रिलीज होने वाली है। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जिक्र है। फिल्म की रिलीज डेट अगले साल गर्मियों के लिए लॉक की गई है। 14 मई 2027 को यह फिल्म दस्तक देगी।

दर्शकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

फिल्म में टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य दोनों हों, तो जाहिर है एक्शन भी दमदार होगा। इस फिल्म में इंटेंस एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और जान्हवी कपूर के लिए आखिरी उम्मीद समझ लीजिए'। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'इन दोनों के बीच लक्ष्य कहां से फंस गया'। वहीं, कुछ दर्शक फिल्म को लेकर उत्साह जता रहे हैं।

'पेद्दी' में नजर आ रहीं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे राम चरण अभिनीत फिल्म 'पेद्दी' में नजर आ रही हैं। हालांकि, फिल्म में उन्हें अपनी भूमिका के लिए काफी ट्रोल किया गया है। वहीं, लक्ष्य को बीते दिनों 'चांद मेरा दिल' में देखा गया था। इसमें उनके साथ अनन्या पांडे नजर आई थीं। बीते महीने यानी मई में रिलीज हुई यह फिल्म भी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी। हालांकि, खास असर नहीं कर पाई।

एक्टिंग से अलविदा कहने की अपारशक्ति खुराना ने की बात

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने हाल ही में अपने करियर के उस दौर के बारे में खुलकर बात की, जब वह मुंबई आने के बाद स्टाइलिस्ट के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि वे कुछ समय बाद एक्टिंग छोड़ देंगे। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि वह अगले 10-12 वर्षों में एक्टिंग से दूर होकर एक नया जुनून अपनाना चाहते हैं और शुरुआत से सिलाई सीखना चाहते हैं। जब अंगद ने अपारशक्ति की फैशन सेंस की तारीफ की, तो अभिनेता ने याद करते हुए कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं सोच रहा था कि बॉम्बे शिफ्ट होने का कोई एक तरीका क्या हो सकता है। तो एक फेज ऐसा भी था जब मैं मुंबई में स्टाइलिस्ट था। मैंने कुछ होस्ट्स को स्टाइल किया था, जो एक बहुत फेमस टीवी चैनल पर बॉलीवुड शो होस्ट कर रहे थे। मैं सच में चाहता हूं कि धीरे-धीरे मैं जो अभी कर रहा हूं, उसे अलविदा कह दूं। मेरा बहुत मन है कि 10-12 साल बाद मैं टेलरिंग सीखूं। कपड़ा कैसे काटना है, कैसे सिलना है, वो सीखना है।'

नहीं पता था कि किस्मत कहां ले जाएगी

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कहा कि 'छोटी रश्मि' को कभी नहीं पता था कि किस्मत उन्हें कहां ले जाएगी लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी। रश्मि ने वर्ष 2006 में 'रावण' से हिंदी टेलीविजन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने बचपन की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह स्टाइलिश अंदाज में तैयार नजर आ रही हैं। इस सफर में मिले हर सबक, संघर्ष और आशीर्वाद के लिए आभार जताते हुए 2000 के दशक के शो 'उतरन' में तपस्या का किरदार निभाकर मशहूर हुईं इस एक्ट्रेस ने उन अनुभवों का जश्न मनाया जिन्होंने उन्हें आज का इंसान बनाया है। रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, 'छोटी रश्मि को नहीं पता था कि जिंदगी उसे कहां ले जाएगी, लेकिन फिर भी वह अपने अंदर की चमक बनाए हुए थी। इस सफर में मिले हर सबक, हर संघर्ष और हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं।' बता दें कि रश्मि देसाई रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में अपने काम से लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही थीं। उन्होंने 'परी हूं मैं', 'झलक दिखला जा 5', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6', 'जरा नचके दिखा 2' और 'नच बलिए 7' जैसे शो में भी नजर आईं और सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में एक खास रोल भी किया। 40 वर्षीय रश्मि आखिरी बार 'वागले की दुनिया, नई पीढ़ी नए किस्से' में दिखी थीं। यह शो कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण के किरदारों, खासकर 'द कॉमन मैन' पर आधारित है और इसमें एक आम मिडिल-क्लास भारतीय आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं को दिखाया गया है। इससे पहले मई में, 'मिसेज मारा ऑनलाइन चे' के साथ थिएटर की दुनिया में नाम कमाने वाली रश्मि ने कहा था कि थिएटर कलाकारों को समय पर उनका हक नहीं मिलता और उन्हें 'किसी और की मंजूरी' की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा था कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है।

आईएएनएस से बातचीत में रश्मि ने बताया था कि एक थिएटर एक्टर बहुत मेहनत करता है। उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिलता, उन्हें जो मजा आता है, उसका एक छोटा सा परिवार होता है, और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत नहीं होती जो उन्हें बताए कि 'ठीक है, यह करो, वह करो।' उन्होंने आगे कहा, 'और अगर वे कोई गलती करते हैं या किसी तरह की नाकामी का सामना करते हैं, तो दूसरे लोग उनका हाथ थामने और यह कहने के लिए तैयार रहते हैं कि 'ठीक है, यह भी गुजर जाएगा।' तो हां, हमेशा एक नई शुरुआत होती है, और थिएटर इसे सीखने का सबसे अच्छा जरिया है। लेकिन वे ज्यादा सम्मान के हकदार हैं, और लोगों को थिएटर और थिएटर कलाकारों के बारे में और जानना चाहिए।'

अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं अन्नू कपूर

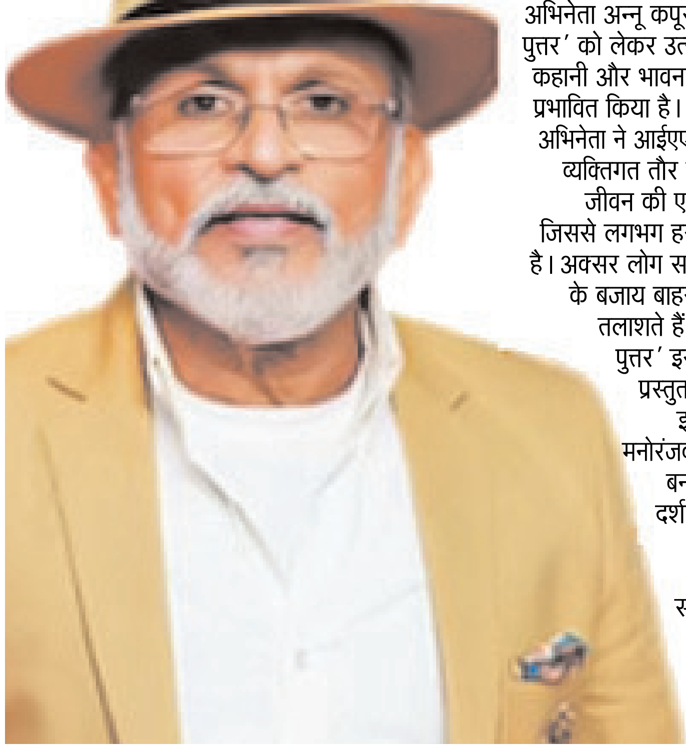

अभिनेता अन्नू कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि इसकी कहानी और भावनात्मक गहराई ने व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित किया है। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। अभिनेता ने आईएएनएस को बताया कि यह कहानी उन्हें व्यक्तिगत तौर पर इसलिए पसंद आई, क्योंकि यह जीवन की एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिससे लगभग हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस कर सकता है। अक्सर लोग सवालों के जवाब अपने भीतर खोजने के बजाय बाहरी परिस्थितियों, संकेतों या लोगों में तलाशते हैं। अन्नू कपूर के अनुसार, 'उत्तर दा पुत्तर' इसी विचार को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है। फिल्म में कॉमेडी के साथ इमोशंस का बेहतर संतुलन है, जो इसे मनोरंजक होने के साथ-साथ संवेदनशील भी बनाता है। यह एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करती है।

अभिनेता ने बताया कि फिल्म का सबसे खास पहलू यह है कि यह एक गंभीर विषय को बेहद दिल छू लेने वाले अंदाज में पेश करती है। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट उन्हें बाकी फिल्मों से अलग और खास लगा। अन्नू कपूर ने यह भी कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए एक सुखद अनुभव रहा और उन्होंने इसकी शूटिंग तथा कहानी दोनों का आनंद लिया। शुक्रवार को फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर जारी करते हुए लिखा, 'क्या होगा अगर गलत दिशा का चुनाव आपकी पूरी जिंदगी बदल दे? एक ऐसी हिंदी कॉमेडी फिल्म, जो एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी बड़े पर्दे पर नहीं देखा होगा। अब समय ऐसी फिल्मों का है, जहां कंटेंट ही सबसे बड़ा सितारा है। टीजर आ चुका है और सही दिशा की तलाश 24 जुलाई से सिनेमाघरों में शुरू होगी। ट्रेलर जल्द रिलीज किया जाएगा।' टीजर में फिल्म की अनोखी कहानी की झलक दिखाई गई है। फिल्म इस विचार पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की किस्मत केवल सही दिशा चुनने से भी बदल सकती है। कहानी इसी दिलचस्प और अलग कॉन्सेप्ट के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता संदीप कपूर ने कहा, ''उत्तर दा पुत्तर' एक ऐसी कहानी है, जिससे हर कोई खुद को जोड़ सकता है। हममें से कई लोग जीवन में कभी न कभी अपने भीतर जवाब तलाशने के बजाय बाहर खोजते हैं, कभी दिशाओं में तो कभी संकेतों में। यह फिल्म इसी विचार को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है, जिसमें कॉमेडी और इमोशंस का बेहतरीन मेल है।' फिल्म में अन्नू कपूर के साथ रखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रविंद्र ने किया है, जबकि इसका निर्माण संदीप कपूर और प्रिया कपूर ने प्रमोदम मोशन पिकचर्स के बैनर तले किया है।

म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं फरहान

फरहान अख्तर अब अपने नए प्रोजेक्ट पर ध्यान लगा रहे हैं। वह नई फिल्म में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं। फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। खबर है कि फरहान अख्तर को नीरज पांडे के निर्देशन में बनने वाली बायोपिक में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए अप्रोच किया गया है। मेकर्स इस फिल्म में फरहान को लीड रोल में कास्ट करने के इच्छुक हैं। खबर यह भी है कि नीरज कुछ समय से इस बायोपिक पर काम कर रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है। दावा है कि फरहान आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। वह उनकी जिंदगी को पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं।

नियमित योग से बने शरीर के साथ मानसिक रूप से भी मजबूत

योग के महत्व को अब संपूर्ण विश्व जानने लगा है। नियमित योग करते रहने से जहां आप शारीरिक रूप से सेहतमंद बने रह सकते हैं वहीं आप मानसिक रूप से भी मजबूत बन सकते हैं। मन की मजबूत से ही जीवन में सफलता मिलती है। आओ जानते हैं कि किस तरह होगा यह संभव।

1.योगासन

बचपन में हमारा शरीर लचकदार था। उम्र बड़ने के साथ हड्डियां कड़क होती गई। हार्ड बोन के टूटने का खतरा भी बढ़ जाता है। एक बच्चा जब छोटी-मोटी जगह से गिरता है तो फ्रेक्चर होने के कम चांस है, लेकिन जवान व्यक्ति जब गिरता है तो फ्रेक्चर होने के चांस ज्यादा होते हैं। योग हमारी हड्डियों को फिर से लचकदार बनाकर लंबे समय तक उनके कैल्शियम के क्षरण को रोकता है।

योगासन का शरीर लचीला और सॉफ्ट होता है। इसे अतिरिक्त भोजन की आवश्यकता नहीं होती और यह सभी तरह के रोग से बचने की क्षमता रखता है। लगातार योग करने के बाद योग छोड़ भी देते हैं तो इससे शरीर में किसी भी प्रकार का ढलाव नहीं आता और हाथ-पैर में दर्द भी नहीं होता। जब स्फूर्ती दिखाने का मौका होता है तो यह शरीर एकदम से सक्रिय होने की क्षमता रखता है।

यदि आहार नियम का पालन करते हुए लगातार सूर्य नमस्कार के साथ आप योग के प्रमुख आसन करते रहते हैं तो 4 माह बाद आपका शरीर एकदम लचीला होकर स्वस्थ हो जाएगा। आप हरदम एकदम तरो-ताजा और खुद को युवा महसूस करेंगे। योगासनों के नियमित अभ्यास से मेरूदंड सुदृढ़ बनता है जिससे शिराओं और धमनियों को आराम मिलता है। शरीर के सभी अंग-प्रत्यंग सुचारु रूप से कार्य करते हैं। यही मस्तिष्क को सुदृढ़ करने का प्रारंभिक चरण है।

2. प्राणायाम

मस्तिष्क की कार्य क्षमता और मजबूती बढ़ती है प्राणायाम से। इससे मस्तिष्क में ऑक्सिजन का लेवल बढ़ जाता है। प्राणायाम करते रहने से मन में कभी भी उदासी, खिन्नता और क्रोध नहीं रहता है। मन हमेशा प्रसन्नचित्त रहता है जिसके चलते आपके आसपास एक खुशनुमा माहौल बन जाता है। आप जीवन में किसी भी विपरीत परिस्थिति से हताश या निराश नहीं होंगे। आप चाहें तो ध्यान को भी अपनी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाकर मस्तिष्क को और भी मजबूत कर सकते हैं।

मस्तिष्क में किसी भी प्रकार का द्वंद्व और विकार नहीं रहता है। व्यक्ति की सोच बहुत ही विस्तृत होकर परिष्कृत हो जाती है। परिष्कृत का अर्थ साफ-सुथरी व स्पष्ट। ऐसे में व्यक्ति की बुद्धि बहुत तीक्ष्ण हो जाती है तथावह जो भी बोलता है, सोच-समझकर ही बोलता है। भावनाओं में बहकर नहीं बोलता है। योग करते रहने का प्रभाव यह होता है कि शरीर, मन और मस्तिष्क के ऊर्जावान बनने के साथ ही आपकी सोच बदलती है। सोच के बदलने से आपका जीवन भी बदलने लगता है। योग से सकारात्मक सोच का विकास होता है।

यदि किसी भी प्रकार का मानसिक रोग है तो वह मिट जाएगा, जैसे चिंता, घबराहट, बेचैनी, अवसाद, शोक, शंकालु प्रवृत्ति, नकारात्मकता, द्वंद्व या भ्रम आदि। एक स्वस्थ मस्तिष्क ही खुशहाल जीवन और उज्ज्वल भविष्य की रचना कर सकता है। योग से जहां शरीर की ऊर्जा जाग्रत होती है, वहीं हमारे मस्तिष्क के अंतरिम भाग में छिपी रहस्यमय शक्तियों का उदय होता है। जीवन में सफलता के लिए शरीर की सकारात्मक ऊर्जा और मस्तिष्क की शक्ति की जरूरत होती है। यह सिर्फ योग से ही मिल सकती है, अन्य किसी कसरत से नहीं।

3. ध्यान

लगातार ध्यान करते रहने से कम होने लगते हैं मन में विचार, श्वास-प्रश्वास में होता सुधार, सकारात्मक सोच का होता है निर्माण, अनावश्यक भय, चिंता और डिप्रेशन होता है दूर और मस्तिष्क में होता है प्राणों का संचार। साथ ही ब्लड प्रेशर होता नियंत्रित, मोमोरी पॉवर बढ़ती, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती, आंखों की ज्योति बढ़ती और मन होता है मजबूत।

मस्तिष्क और मन को निरोग रखता है योग

योग हमारा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान है। योग की सार्थकता को दुनिया के कई धर्मों ने स्वीकार किया है। योग सिर्फ व्यायाम का नाम नहीं है बल्कि मन, मस्तिष्क, शारीरिक और विकारों को नियंत्रित करने का माध्यम भी है। जब समाज अच्छा होगा तो देश की प्रगति में हमारा अहम योगदान होगा। 21 जून यानी की आज विश्व योग दिवस है। पहली बार यह 2015 को मनाया गया। यह भारत के प्रयास से ही सफल हो सका है। पूरी दुनिया आज योग और प्राणायाम की तरफ बढ़ रही है। योग भारत के लिए आने वाले दिनों में बड़ा बाजार साबित हो सकता है। विश्व के लगभग 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे हैं। योग को अब वैश्विक मान्यता मिल गई है। कोरोना संक्रमण काल में भी योग हमारे लिए संजीवनी साबित हो रहा है। हम योग को अपना कर इस महामारी में भी अपने स्वस्थ रख सकते हैं।

भगवान कृष्ण ने गीता में स्वयं कहा है कि 'योगः कर्मसु कौशलम' यानी हमारे कर्मों में सर्वश्रेष्ठ योग है। योग यज्ञ है और यज्ञ कर्म है। योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य भी है। योगेश्वर भगवान कृष्ण ने योग को सर्वोपरि बताया है। उन्होंने कहा है कि 'योगस्थः कुरु कर्माणि' इसका तात्पर्य है कि योग में स्थिर होकर ही सद्चित कर्म संभव है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है।

भारत में योग की परंपरा 5000 हजार साल पुरानी है। 11 दिसम्बर 2014 को इसका प्रस्ताव दिया था। अमेरिका और यूरोप समेत दुनिया के 177 देशों ने भारत के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद भारत दुनिया का विश्वगुरु बन गया। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 90 दिनों के भीतर पीएम मोदी के प्रस्ताव को मंजूर किया। हम योग के 21 आसनों को अपनाकर अपनी जिंदगी को सुखी, शांत और निरोगी बनाकर खुशहाल जीवन जी सकते हैं। जब हम तन और मन से स्वस्थ रहेंगे तो राष्ट्र निर्माण और उसके विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं।

योगगुरु बाबा रामदेव योग को वैश्विक मान्यता मिलने पर इसे भारत की जीत बताया था। दुनिया योग को अपने जीवन की दिनचर्या बना लिया है। योग संपूर्ण जीवन और चिकित्सा पद्धिति बन गया है। दुनिया में शांति युद्ध से नहीं योग से आएगी। भारत के साथ दुनिया में 20 करोड़ से अधिक लोग योग साधना का लाभ उठा रहे हैं। आधुनिक युग की व्यस्त दिनचर्या में योग हमारे लिए अमृत है। अपनी जिंदगी को खुशहाल और डिप्रेशन मुक्त बनाने के लिए योग हमें खुला आकाश देता है। हम धर्म, जाति, भाषा, संप्रदाय के साथ बंधकर स्वयं के साथ देश का अहित करेंगे।

योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। योगशास्त्र का इतिहास गौरवशाली उपलब्धि से अटा पड़ा है। हमारे यहां लययोग, राजयोग का भी वर्णन है। चित्त की निरुद्ध अवस्था लययोग में आती है। राजयोग सभी योगों से श्रेष्ठ बताया गया है। महर्षि पतंजलि की योग परंपरा भारत में अधिक संमृद्धशाली है। योगगुरु बाबा रामदेव आज पतंजलि योग व्यवस्था के संवाहक बने है। दुनिया भर में योग की महत्व स्थापित करने में पतंजलि योग संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

योग और आयुर्वेद को उन्होंने वैश्विक स्वीकारोक्ति बना दिया है। पतंजलि योग साधना के आठ आयाम हैं। जिसमें यम, नियम, आसन, प्रणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योग का संबंध सिंधु घाटी सभ्यता से भी है। प्राचीन काल की कई मूर्तियां योग मुद्रा में स्थापित हैं।

भगवान शिव को योग मुद्रा में देखा जा सकता है। बुद्ध की मूर्तियां भी योग साधना में स्थापित हैं। बौद्ध और जैनधर्म में भी योग की महत्ता पर काफी कुछ है। बौद्ध और धर्म के अलावा ईसाई और इस्लाम में सूफी संगीत परंपरा में भी योग की बात आई हैं। भारत की योग व्यस्था को पटल पर लाने में योग गुरु बाबा रामदेव और बीकेएस अंयगर के योगदान को नहीं भूलाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से संयुक्तराष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को स्वीकार किया है। प्रधानमंत्री मोदी योग को लेकर स्वयं बेहद जागरूक है। वह योग करते हुए अपने कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। फिट इंडिया, हिट इंडिया उनका मूलमंत्र है। इसके साथ वह लोगों से अपील करते हैं कि आप योग के जरिए अपने मन, मस्तिष्क और शरीर को स्वस्थ रखें, जिससे आपका सहयोग देश के विकास में अच्छे तरीके से हो।

विज्ञान और विकास के बढ़ते कदम तनाव की जिंदगी दे रहा है। जिंदगी की गति अधिक तेज हो चली है। लोगों के जीने का नजरिया बदल रहा है। काम का अधिक दबाव बढ़ रहा है इससे हाईपर टेंशन, और दूसरी बीमारियां फैल रही हैं। तनाव का सबसे बेहतर इलाज योग विज्ञान में हैं, वहीं लोगों में सुंदर दिखने की बढ़ती ललक भी योग और आयुर्वेद विज्ञान को नया आयाम देगी। यह पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। आम आदमी के जिंदगी में तनाव तेजी से बढ़ रहा है।

पूरी जिंदगी असंमित हो गई है, जिसकी वजह से परिवार में तनाव और झगड़े होते हैं। लोगों के पास आज पैसा है लेकिन शांति नहीं है, जिसकी वजह से परिवार में संतुलन गायब है। लोग खुद से संतुष्ट नहीं है। इस स्थिति से निकालने के लिए योग सबसे बेहतर उपाय हो सकता है। इसलिए भाग दौड़ की जिदंगी को अगर संयमित और संतुलित करना है तो मन को स्थिर रखना होगा। जब तक हमें मानसिक शांति नहीं मिलेगी तब तक हम जीवन के विकारों से मुक्त नहीं हो सकते हैं। उस स्थिति में योग ही सबसे सरल और सुविधा युक्त माध्यम हमारे पास उपलब्ध है।

हमारी हजारों साल की वैदिक परंपरा को वैश्विक मंच मिला है। योग का प्रयोग अब दुनिया भर में चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी होने लगा है, उसे स्थिति हमें अपने जीवन के साथ जीने का नजरिया भी बदलना होगा। योग से संबंधित यूनिवर्सिटी, शोध संस्थान, आयुर्वेद मेडिसिन उद्योग नई उम्मीदें और आशाएं लेकर आएगा। भारत और दुनिया भर में योग के लिए संस्थान स्थापित हुए हैं। योग को पर्यटन उद्योग के रूप में विकसित किया जा सकता है। योग स्वस्थ दुनिया की तरफ बढ़ता कदम है।

सुबह की शुरुआत प्राणायाम के साथ कीजिए

प्राणायाम अष्टांग योग का चौथा अंग है। जब तक शरीर में प्राणवायु है तब तक ही आयु है। प्राचीन ऋषि वायु के इस रहस्य को समझते थे तभी तो उन्होंने बढ़ती उम्र को रोक देने का शॉर्ट कट निर्मित किया। श्वास को लेने और छोड़ने के दरमियान घंटों का अंतराल प्राणायाम के अभ्यास से ही संभव हो पाता है। कछुए की सांस लेने और छोड़ने की गति इंसानों से कहीं अधिक दीर्घ है। व्हेल मछली की उम्र का राज भी यही है। प्राणायम के माध्यम से आपने यदि सांसों को साथ लिया तो आपकी आयु भी बढ़ जाएगी और कभी कोई रोग नहीं होगा। आओ जानते हैं कि कैसे साधें सांसों को।

सुबह की शुरुआत अनुलोम विलोम से करें- प्राणायाम करते समय 3 क्रियाएं करते हैं- 1.पूरक, 2.कुंभक और 3.रेचक। अनुलोम विलोम में कुंभक नहीं करते हैं। मतलब श्वास लेना और छोड़ना होता है। श्वास लेने की क्रिया को पूरक और श्वास छोड़ने को रेचक कहा जाता है। श्वास अंदर रोकने की क्रिया को कुंभक कहते हैं। अंदर रोके या श्वास बाहर छोड़कर रोक लें। रोकने की क्रिया करते हैं तो नाड़िशोधन प्राणायाम होगा। फेफड़ों के भीतर वायु को नियमानुसार रोकना, आंतरिक और पूरी श्वास बाहर निकालकर वायुरहित फेफड़े होने की क्रिया को बाहरी कुंभक कहते हैं। अनुलोम विलोम में हमें श्वास को रोकना नहीं है बस नियम से लेना और छोड़ना है।

कैसे करें अनुलोम और विलोम?

1. सबसे पहले आसन पर आलकी-पालकी मारकर शुद्ध वायु में बैठ जाएं।
2. इसके बाद दाएं अंगूठे से अपनी दाहिनी नाक को बंद करें। इस दौरान तर्जनी अंगुली को अंगूठे के नीचे के हिस्से पर हल्के से दबाकर रखें।
3. अब बाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अनामिका अंगुली से बाईं नासिका को बंद करके अंगूठे को दाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।
4. अब दाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अंगूठे से दाईं नासिका बंद करने के बाद अनामिका अंगुली को बाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।
5. अब बाईं नासिका से श्वास को भीतर तक खींचे और फिर अनामिका अंगुली से बाईं नासिका को बंद करके अंगूठे को दाईं नासिका से हटाकर श्वास छोड़ दें।

अवधिः इसी प्रक्रिया को कम से कम 5 मिनट तक दोहराते रहें। मतलब बाईं नाक से श्वास लेकर दाईं से छोड़ना और दाईं से श्वास लेकर बाईं से छोड़ना। यही अनुलोम विलोम प्राणायाम है।

इसके 10 फायदे

1. इससे तनाव, चिंता और अवसाद घटता है और शांति मिलती है।
2. यह मस्तिष्क और फेंफड़ों में ऑक्सिजन का लेवल बढ़ा देता है।
3. इसे नियमित करने से नेत्र ज्योति बढ़ती है
4. इससे रक्त संचालन सही बना रहता है।
5. मस्तिष्क के सभी विकारों को दूर करने में यह प्राणायम सक्षम है।
6. फेंफड़ों में जमा गंदगी बहार होती है और फेंफड़े मजबूत बनते हैं।
7. अनिद्रा रोग में यह प्राणायाम लाभदायक है।
8. इस प्राणायाम को करते समय यदि पेट तक श्वास खींची जाए तो यह पाचन क्रिया को मजबूत बनाता है। डाइजेशन सही होता है।
9. इससे नकारात्मक चिंतन से चित्त दूर होकर आनंद और उत्साह बढ़ जाता है।
10. अस्थमा, एलर्जी, साइनोसाइटिस, पुराना नजला, जुकाम आदि रोगों में भी यह प्राणायाम लाभदायक सिद्ध हुआ है।

शारीरिक और मानसिक फिटनेस के लिए करें योग

योग हमें शारीरिक ओर मानसिक रुप से फिट बनाये रखता है। आज के वयस्त समय में व्यक्ति रोगों का शिकार बनता जा रहा है इसके साथ ही मधुमेह और रक्तचाप सहित कई बीमारियों उसे घेरती जा रही है। ऐसे में स्वस्थ रहने उसे योग का सहारा लेना चाहिये। अपने पूरे ट?यक्तिव् को निखारने और सामाजिक, ट?यक्तिगत, शारीरिक और मानसिक रूप से बेहरत बनने के लिए योग सबसे बेहतर है।

दंडासन

यह एक बैठ कर करने वाला आसन है, जिसे लंबे समय तक करने से कई फायदे मिलते हैं। जिन लोगों के पैरों में दर्द रहता है वे इस आसन को 5 से 10 मिनट ज़रूर करें। इसे करने के लिए आप पैरों को आगे की तरफ खोलकर बैठ जाएं और कमर को सीधी रखें। जब हम अधिक देर तक इसी अवस्था में बैठते हैं, तो शरीर में बेहतर तरीके से रक्त प्रवाह होता है और पैरों का दर्द ठीक होने लगता है।

शलभासन

पेट के बल लेट जाएं और जांघ के नीचे अपनी दोनों हाथों की हथेलियों को दबाएं। अब बिना घुटनों को मोड़े दोनों पैरों को धीरे से एक साथ उठाने का प्रयास करें। अब ऐसे ही 5 तक की गिनती करें। अब पैरों को धीरे से नीचे रख लें। ऐसा दोबारा करें. कमर दर्द को ठीक करने में ये आसन काफी लाभदायक है।

तितली आसन

पैरों को मोड़कर तलवों को एक-दूसरे से लगाकर बैठें और कमर गर्दन सीधी रखें। अब हाथों से दोनों तलवों को पकड़कर रखें और घुटनों से पैरों को तितली की तरह उठाएं और नीचे करें। ऐसा आप कुछ देर तक करें।

वक्रासन

दाहिने पैर को बाएं पैर के घुटनों के पास रखें। दाएं हाथ को पीछे की तरफ रखें। बाएं हाथ को ऊपर की तरफ उठाएंगे और शरीर को घुमाते हुए बाएं हाथ से दाहिने पैर के घुटनों को धकेलते हुए पैरों पर हाथ का ग्रिप बनाएं। गर्दन को धीरे से पीछे की तरफ घुमाएं. अब 10 तक की गिनती करें। धीरे से गर्दन को सामने, हाथ को वापस, पैरों को भी वापस अपनी जगह पर रखें। इसी तरह अब बाईं तरफ से ये सारी प्रक्रिया दुहराएं। मधुमेह मरीजों के लिए यह बहुत लाभदायक है जिन लोगों को कब्ज की समस्या है, उन्हें भी इसका नियमित अभ्यास करना चाहिए।